पंजीयन संख्या-UPHIN/2009/30506

डिटेक्टिव मीडिया

कुशीनगर से प्रकाशित

www.detectivemedianews24.com

वर्ष 17 अंक 26 कुशीनगर सोमवार 12 जनवरी 2026 मूल्य 5 रुपया पृष्ठ–8

सीएम योगी ने ईवी प्लांट का किया उद्घाटन, बोले- अब यूपी अपनी क्षमताओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षामंत्री ने लखनऊ में अशोक लीलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने फैक्ट्री का उद्घाटन करने के बाद ई–बस में सफर भी किया। फैक्ट्री का निर्माण सरोजनी नगर इलाके में करीब 70 एकड़ में किया गया है। यहां पर ई–बस, ई–ट्रेवलर और ई–लोडिंग वाहन बनाए जाएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हमारे लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इसके लिए मैं हिंदुजा परिवार को बधाई देता हूं। यह निवेश बताता है कि यूपी में बीते आठ वर्षों में क्या परिवर्तन हुए हैं। प्रदेश के हर जिले में निवेश हो रहा है। जो कि बताता है कि अब यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल का ही प्रदेश नहीं बल्कि पोटेंशियल को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बन चुका है। आज यूपी न सिर्फ देश के बल्कि दुनिया के निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है। यही कारण है कि यूपी में निवेश के लिए 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। प्रदेश में बीते आठ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में जो काम हुआ है यही कारण है कि आज देश के 55 फीसदी एक्सप्रेस वे यूपी में हैं। प्रदेश में रैपिड रेल बनाई जा रही है। आज प्रदेश में 18 हजार स्टार्टअप काम कर रहे हैं। इस मौके पर भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि यह सिर्फ प्रदेश के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए आत्मनिर्भर भारत और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में बड़ा कदम है। यह भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य की दिशा मेंभी महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि योगी जी जिस तरह से यूपी को चला रहे हैं। उससे सहज ही प्रदेश की रेटिंग एक्सीलेंट कही जा सकती है। अशोक लीलैंड कंपनी की इस ईवी फैक्टरी का उद्घाटन प्रदेश के औद्योगीकरण की दिशा में मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि मैं लखनऊ से सांसद हूं पर अगर मैं लखनऊ का न भी होता तो भी यह शहर मुझे उतना ही प्रिय होता जितना कि आज है । पहले जिस यूपी को खराब कानून व्यवस्था और दंगों से जोड़कर देखा जाता था वो अब निवेश के क्षेत्र में अपनी जगह बना रहा है। यह बहुत बड़ी बात है। प्रदेश में निवेश होने से यहां के युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार मिल सकेगा। रक्षामंत्री ने कहा कि अब यूपी में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है। अब भारत एक कमजोर देश नहीं बल्कि अपने हथियार खुद बनाता है और इस कार्य में यूपी बढ़–चढ़कर अपनी भूमिका निभा रहा है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देता हूं।

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया दिल्ली का फ्यूचर प्लान, बोलीं- बजट की कमी अब बहाना नहीं

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए सुनियोजित विकास, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बदलाव पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) पर तीखा हमला भी किया। सदन को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार जनता को अपनी दिशा और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी देती है। राष्ट्रीय राजधानी के लिए प्रदूषण को एक महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अपने स्वास्थ्य सेवा रोडमैप के तहत दिल्ली भर में 1,100 आरोग्य मंदिरों का निर्माण पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नए नर्सिंग स्टाफ की भर्ती पहले ही की जा चुकी है। यमुना नदी संकट पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी में बहने वाले नालों के उपचार के साथ–साथ सीवेज व्यवस्था में सुधार का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि हम अपने घोषणापत्र में उल्लिखित हर प्रतिबद्धता को पूरा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली की सड़कों की मरम्मत व्यवस्थित और सुनियोजित तरीके से की जाएगी। गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि विकास कार्य रातोंरात पूरे नहीं हो सकते और इन्हें चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

भारत ने कहा 1.4 अरब लोगों के लिए किफायती ऊर्जा सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता

नई दिल्ली (संवाददाता)। रूस से तेल खरीदना जारी रखने वाले देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने के प्रस्ताव वाले अमेरिकी कांग्रेस में पेश किए गए विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक बाजार की बदलती परिस्थितियों के बीच अपने 1.4 अरब लोगों के लिए किफायती ऊर्जा सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता बनी हुई है। प्रस्तावित विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली इस विधेयक से अवगत है और घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान जायसवाल ने कहा, ष्हम प्रस्तावित विधेयक से अवगत हैं। हम घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। ऊर्जा स्रोतों पर भारत के दीर्घकालिक रुख को दोहराते हुए, जायसवाल ने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली के निर्णय ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं और बाजार की वास्तविकताओं से प्रेरित हैं। बयान में कहा गया, ष्ऊर्जा स्रोतों के व्यापक प्रश्न पर हमारा रुख सर्वविदित है।

आवारा कुत्तों का मामला : सुप्रीम कोर्ट में लगातार तीसरे दिन हुई सुनवाई

नई दिल्ली (संवाददाता)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में लगातार तीसरे दिन भी सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों और कार्यालय परिसरों में भटकते कुत्तों की समस्या पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया शामिल हैं, मामले की सुनवाई हुई और शुक्रवार को करीब 1.50 घंटे सुनवाई चली। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 13 जनवरी रखी। सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट और एनीमल राइट्स एक्टिविस्ट महालक्ष्मी पावनी ने कहा कि कुछ लोग कुत्ते रखने वाली महिलाओं के बारे में अपमानजनक बातें करते हैं और उन्हें यह तक कहते हैं कि महिलाएं संतुष्टि के लिए कुत्तों के साथ सोती हैं। इस दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से इस मामले में दखल न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानून और नियम पहले से मौजूद हैं, इसलिए अदालत को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता नहीं है। सिंघवी ने यह भी कहा कि जब संसद जानबूझकर दखल नहीं देती, तो अदालत को भी इसमें नहीं जाना चाहिए। सिंघवी ने आगे बताया कि एमीकस क्यूरी (अदालत के सलाहकार) कानून के अच्छे जानकार होते हैं लेकिन किसी विशेष विषय के विशेषज्ञ नहीं। ऐसे मामलों में डोमेन एक्सपर्ट्स जैसे पशु, पर्यावरण या स्वास्थ्य विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाना चाहिए। अवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई के दौरान, महालक्ष्मी पावनी ने बड़े पैमाने पर अवैध प्रजनन और विदेशी कुत्तों के अवैध आयात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिट बुल और हस्की नस्ल के कुत्तों को सड़कों पर छोड़ा जा रहा है। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि यह मामला स्ट्री डॉग्स (अवारा कुत्तों) के मुद्दे से संबंधित नहीं है। कृपया उन मुद्दों पर ध्यान दें जिनसे हम निपट रहे हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कानून में उपलब्ध उपायों का पालन किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत में गुरुवार को सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा, शदिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है।

खरगे ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (संवाददाता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर उन खबरों को लेकर हमला बोला जिनमें कहा गया था कि भारतीय सरकार सरकारी ठेकों के लिए बोली लगाने वाली चीनी कंपनियों पर लगे पांच साल पुराने प्रतिबंध को हटाने की योजना बना रही है। उन्होंने मोदी सरकार की विदेश नीति में असंगति का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि भारत की विदेश नीति एक बेकाबू पेंडुलम की तरह झूलती है और साथ ही भारत की विदेश नीति में असंगति की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि इसका खामियाजा जनता भुगत रही है। प्रधानमंत्री मोदी के ष्मैं देश को झुकाने नहीं दूंगाष वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए खरगे ने कहा कि मौजूदा स्थिति इस दावे के बिल्कुल उलट है। खरगे ने X पर पोस्ट किया कि मैं देश को झुकने नहीं दूंगा।

सम्पादकीय

अराजक बांग्लादेश, चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या से यही स्पष्ट हो रहा है कि वहां चुन–चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। हिंदुओं की हत्याओं का सिलसिला कायम रहने के बाद भी वहां की अंतरिम सरकार न्यूनतम गंभीरता का परिचय देने से इन्कार कर रही है। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हिंदुओं की हत्याओं को या तो सांप्रदायिक हिंसा मानने से इन्कार कर दे रही है या फिर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की खोखली बातें करके कर्तव्य की इतिश्री कर ले रही है। वह कुछ घटनाओं को आपसी रंजिश या दुर्घटना भी बता दे रही है। उसे यह आभास होना चाहिए कि अराजक माहौल आपसी रंजिश भुनाने का जरिया बनता है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि हिंदुओं की हत्याओं के मामले तो सामने आ जाते हैं, लेकिन उनके घर जलाने, जमीन कब्जाने और उनकी महिलाओं से छेड़छाड़ करने की घटनाएं दबी ही रह जाती हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ माहौल कितना विषाक्त हो गया है, इसे इससे समझा जा सकता है कि वहां हिंदू अधिकारियों–कर्मचारियों को लांछित किया जा रहा है और हिंदू नेताओं को चुनाव में भाग लेने से रोकने की भी कोशिश की जा रही है। यह सब इसीलिए हो रहा है, क्योंकि वे कट्टरपंथी ताकतें अंतरिम सरकार के संरक्षण में हैं, जो भारत विरोध के लिए जानी जाती हैं। हिंदुओं को प्रताड़ित करने के लिए वहां उनके और भारत के खिलाफ सुनियोजित अफवाहें भी फैलाई जा रही हैं। यह एक अफवाह ही थी कि छात्र नेता उस्मान हादी को गोली मारने वाला भारत भाग गया है। बांग्लादेश सरकार ने सब कुछ जानते हुए भी इस झूठ पर लगाम लगाने की कोशिश नहीं की। उसकी पोल तब खुली जब उस्मान हादी के हत्यारोपित के दुबई में होने की सूचना आई। बांग्लादेश सरकार यह अच्छी तरह जान रही है कि हिंदुओं को लगातार निशाना बनाए जाने से भारत में लोग उद्वेलित हो रहे हैं, लेकिन वह हालात सामान्य करने के लिए कोई कदम उठाने के बजाय संबंधों को बिगाड़ने वाले काम कर रही है। पिछले दिनों जब आइपीएल की टीम केकेआर ने उसके क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम में न रखने का फैसला किया तो बांग्लादेश ने यह समझने की जरूरत नहीं समझी कि आइपीएल में उसकी मौजूदगी स्टेडियमों में माहौल बिगाड़ने का ही जरिया बनती। केकेआर के फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी–20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत भेजने से मना तो किया ही, आइपीएल प्रसारण पर भी रोक लगा दी। इसे कुल मिलाकर बात बिगाड़ने वाला रवैया ही कहा जाएगा। उसके ऐसे रवैये के कारण ही उन तत्वों का दुस्साहस बेलगाम है, जो हिंदुओं को निशाना बनाने के साथ भारत के खिलाफ आग उगलने में लगे हुए हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ माहौल कितना विषाक्त हो गया है, इसे इससे समझा जा सकता है कि वहां हिंदू अधिकारियों–कर्मचारियों को लांछित किया जा रहा है और हिंदू नेताओं को चुनाव में भाग लेने से रोकने की भी कोशिश की जा रही है। यह सब इसीलिए हो रहा है, क्योंकि वे कट्टरपंथी ताकतें अंतरिम सरकार के संरक्षण में हैं, जो भारत विरोध के लिए जानी जाती हैं। हिंदुओं को प्रताड़ित करने के लिए वहां उनके और भारत के खिलाफ सुनियोजित अफवाहें भी फैलाई जा रही हैं। यह एक अफवाह ही थी कि छात्र नेता उस्मान हादी को गोली मारने वाला भारत भाग गया है। बांग्लादेश सरकार ने सब कुछ जानते हुए भी इस झूठ पर लगाम लगाने की कोशिश नहीं की। उसकी पोल तब खुली जब उस्मान हादी के हत्यारोपित के दुबई में होने की सूचना आई। बांग्लादेश सरकार यह अच्छी तरह जान रही है कि हिंदुओं को लगातार निशाना बनाए जाने से भारत में लोग उद्वेलित हो रहे हैं, लेकिन वह हालात सामान्य करने के लिए कोई कदम उठाने के बजाय संबंधों को बिगाड़ने वाले काम कर रही है।

अमेरिका की अराजकता, ट्रंप को अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों की कोई परवाह नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस तरह यह कहा कि वेनेजुएला अमेरिका को पांच करोड़ बैरल तेल देगा और उसकी बिक्री वे खुद करेंगे, वह उनकी मनमानी का एक और शर्मनाक उदाहरण है। इससे यही सिद्ध होता है कि वेनेजुएला पर अमेरिकी सेनाओं के हमले का मूल उद्देश्य इस देश के तेल संसाधन पर कब्जा करना ही था। वे इस कब्जे को लेकर जिस तरह कोई शर्म–संकोच नहीं कर रहे हैं, उससे यही पता चलता है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय नियम–कानूनों की कोई परवाह नहीं। वे सैन्य शक्ति के मद में चूर होकर यह देखने से भी इन्कार कर रहे हैं कि उनकी अराजकता किस तरह विश्व को संकट की ओर धकेल रही है। वे अपनी हरकतों से विश्व के दबंग देशों को मनमानी करने का लाइसेंस दे रहे हैं। उनके रवैये से विश्व में उथलपुथल मच सकती है और कुछ नए युद्ध भी छिड़ सकते हैं। खुद को शांति का मसीहा बताने और इसी बहाने नोबेल पुरस्कार की चाह रखने वाले ट्रंप दुनिया को अशांत और अस्थिर करने का काम जिस बेशर्मी से कर रहे हैं, वह उन्हें भी महंगा पड़ सकता है, क्योंकि एक के बाद एक देश उनसे आजिज आ रहे हैं। उन्होंने जिस तरह डेनमार्क के अर्द्ध स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर बलपूर्वक कब्जा करने की धमकी दी, उसके बाद वे यूरोपीय देश भी उनसे खफा हैं, जो हर बात में उनकी हां में हां मिलाते थे। अब इन देशों को यह समझ आ जाए तो अच्छा कि अहंकारी ट्रंप अपने मित्र देशों के भी सगे नहीं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ट्रंप कूटनीतिक शिष्टाचार को धता बताकर भारतीय प्रधानमंत्री समेत अन्य अनेक शासनाध्यक्षों पर तंज कस रहे हैं। उनके बड़बोलेपन से यह नहीं लगता कि निकट भविष्य में भारत और अमेरिका के बीच कोई व्यापार समझौता हो पाएगा। ट्रंप भले ही ड्रग्स तस्करी पर रोक लगाने और लोकतांत्रिक शक्तियों को बल देने की आड़ ले रहे हों, लेकिन उनकी मनमानी का मूल कारण डालर के प्रभुत्व को कायम रखना है। डालर के दबदबे के पीछे एक बड़ी भूमिका तेल व्यापार में अमेरिकी मुद्रा का चलन है। चूंकि अमेरिका एक लंबे समय से मनमानी करता चला आ रहा है, इसलिए विश्व के देशों ने डालर से दूरी बनानी शुरू की। जब इराक और लीबिया ने ऐसा किया तो उन पर हमला किया गया।

भारतीय कूटनीति की परीक्षा का समय

शिवकांत शर्मा

कहने को तो एक साल ही बदला है, पर डोनाल्ड ट्रंप ने जैसी उथल–पुथल मचाई है, उससे लगता है मानो एक युग बदल गया है। नए साल की शुरुआत में ही उन्होंने वेनेजुएला पर धावा बोल दिया। अमेरिका इस वर्ष अपनी स्थापना की 250वीं जयंती मनाएगा, लेकिन दुनिया के सबसे उदार, संतुलित और स्थिर लोकतंत्र के संस्थापकों ने क्या कभी सोचा होगा कि कोई राष्ट्रपति 250 वर्षों से स्थापित व्यवस्था को केवल एक साल के भीतर उलट–पलट देगा? अफ्रीकी मूल के फंक गायक जेम्स ब्राउन का मशहूर गीत है– इट्स मेंस वर्ल्ड (यह मर्दों की दुनिया है)। उसी तर्ज पर कहा जा सकता है कि यह ट्रंप की दुनिया है–खासकर भूराजनीति और अर्थनीति के मामले में। ट्रंप की दुनिया में किसी स्थापित कूटनीतिक परंपरा और अंतरराष्ट्रीय कायदे–कानून की कोई गारंटी नहीं है। यह द्वितीय महायुद्ध के बाद बनी नियमबद्ध व्यवस्था वाली दुनिया से नितांत भिन्न है, जिसके आधार पर भारत की विदेश और व्यापार नीति टिकी है। जिस गुटबाजी से भारत को परहेज था, वह सोवियत संघ के विघटन से टूटी और दुनिया एकध्रुवीय बन गई। भारत ने गुटनिरपेक्षता की जगह हितसापेक्ष स्वायत्तता की नीति अपनाई और खेमेबाजी से दूर रहते हुए अपनी सामरिक एवं आर्थिक शक्ति के विकास के लिए अमेरिका का रणनीतिक और व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत से पहले चीन ने भी गुटबाजी छोड़कर अपने सामरिक हितों की रक्षा करते हुए अमेरिका के साथ व्यापारिक साझेदारी की, जिसकी बदौलत आज वह अमेरिका को हर क्षेत्र में चुनौती देने की स्थिति में आ गया है। ट्रंप खुद चीन को जी–2 का दूसरा जी यानी दूसरी महाशक्ति मान चुके हैं। रूस को वे सामरिक महाशक्ति मानते हैं, लेकिन वह वैश्विक शक्ति संतुलन की तीसरी धुरी बनने की स्थिति में नहीं है। यूक्रेन युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों ने उसे चीन के खेमे में पहुंचा दिया है। यानी दुनिया एक बार फिर दो खेमों में बंटती दिख रही है, जबकि भारत बहुपक्षीय व्यवस्था चाहता है। ट्रंप के यूनेस्को, विश्व स्वास्थ्य संगठन और पेरिस जलवायु संधि जैसी वैश्विक संस्थाओं और संधियों से हाथ खींच लेने के कारण उभरती शक्तियों के लिए विश्व मंच पर कुछ जगह जरूर बनी है। हालांकि नियमबद्ध व्यवस्था का स्थान महाशक्तियों की मनमानी ने ले लिया है। अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बनाना, ईरान और नाइजीरिया पर हवाई हमले और ताइवान को डराने के लिए चीन के सैनिक अभ्यास इसके ताजा उदाहरण हैं। महाशक्तियों की मनमानी भारत के लिए चिंताजनक है। भारत चाहता जरूर है कि वैश्विक संस्थाएं अमेरिका और यूरोप के नियंत्रण से मुक्त हों, पर नियमबद्धता की कीमत पर नहीं। वह चाहता है कि वैश्विक संस्थाओं में भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान जैसी शक्तियों को भी आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिले। महाशक्तियों की मनमानी वाली अव्यवस्था में यदि भारत को सुरक्षा परिषद और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में उचित स्थान मिल भी जाए तो उसकी व्यावहारिक उपादेयता क्या रह जाएगी? हकीकत यह है कि भारत को इसी व्यवस्था के भीतर अपनी विदेश नीति के कौशल से अपनी जगह बनानी है। इस साल उसे ब्रिक्स देशों की अध्यक्षता करनी है, जहां उसे दक्षिणी देशों का नेतृत्व करने का अवसर तो मिलेगा, मगर उसके लिए उसे चीन का सामना भी करना पड़ेगा। ब्रिक्स का सदस्य ईरान भी है, जहां मुद्रा के अवमूल्यन और आर्थिक संकट को लेकर विरोध–प्रदर्शन हो रहे हैं। ट्रंप ने धमकी दी है कि यदि प्रदर्शनों पर सख्ती बरती गई तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा। अध्यक्ष होने के नाते ब्रिक्स देश के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप की यह धमकी भारत के लिए यूक्रेन जैसा धर्मसंकट खड़ा कर सकती है। भारत को एक साल से टलती आ रही क्वाड शिखर बैठक का आयोजन भी करना है, जो ट्रंप की भारत यात्रा पर निर्भर करेगा। ट्रंप की भारत यात्रा व्यापार वार्ताओं की प्रगति पर निर्भर करेगी, जिनके सिरे न चढ़ने के कारण 25 साल पुराने संबंधों में खटास आई है। हालांकि अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रियर ने भारत के प्रस्तावों को अब तक मिले सर्वश्रेष्ठ व्यापार प्रस्ताव बताया है, पर ट्रंप के रवैये को देखते हुए भारत किसी बात पर भरोसा करने का जोखिम नहीं उठा सकता। उसे अमेरिकी बाजार के विकल्प खोजने ही होंगे। उसने यूएई, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए हैं, लेकिन अमेरिकी बाजार के जाने से हुए नुकसान की भरपाई इनसे नहीं केवल यूरोप और खाड़ी परिषद के व्यापार समझौतों से ही हो सकती है और वह भी कुछ हद तक। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डे लायन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा की गणतंत्र दिवस पर भारत यात्रा से उम्मीद है कि व्यापार समझौते को अंतिम रूप मिल सकेगा। भारत की विदेश और व्यापार नीति की असली परीक्षा दक्षिण एशिया में होगी। 'पड़ोस पहले' की नीति के तहत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव के साथ संचार, यातायात, व्यापार और आर्थिक मदद पर अरबों डालर खर्च करने के बावजूद भारत इन देशों में वह विश्वास और प्रभाव नहीं जमा पाया, जिसकी उम्मीद थी। बांग्लादेश में भारत विरोधी लहर सोचने को बाध्य करती है कि क्या भारत के 3900 सैनिकों के बलिदान, करोड़ों लोगों को शरण और हाल की लगभग आठ अरब डालर के कर्ज की सुविधा का यही प्रतिफल है? फरवरी में होने जा रहे चुनाव में भारत विरोधी बीएनपी का सत्ता में आना लगभग तय है। नेपाल में तो कौन सत्ता में आएगा और वह आंदोलनकारी जेन–जी को स्वीकार होगा या नहीं, इसका अनुमान लगाना कठिन है। बड़ा सवाल यह है कि भारत के तमाम सहयोग और राहत की नीतियों के बावजूद ये देश चीन और पाकिस्तान की तरफ क्यों झुके जाते हैं, जिनकी नीतियों की वजह से कर्ज और जिहादी आतंक के संकटों से घिर जाते हैं? चीन के अलावा अब ट्रंप और सऊदी का समर्थन मिलने से इतराए पाकिस्तान का उपाय करने के साथ–साथ इस सवाल का हल खोजना शायद भारतीय विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती होगी।

रील्स से रीडिंग तक : बच्चे फिर से बच्चे बन रहे हैं

मेरे कजिन गिरी और उनकी पत्नी राधिका का छह वर्ष का बड़ा बेटा अर्जुन जब स्कूल जाने लगा था तो उन दोनों ने स्क्रीम टाइम कम करने का फैसला किया। तब अर्जुन चार साल का था और जब राधिका खाना पकातीं तो अपनी छोटी बहन गायत्री के साथ अक्सर आईपैड पर बच्चों के शो देखता रहता था। किंडरगार्टन की स्क्रीन–फ्री पॉलिसी के बारे में जानने के बाद गिरी ने यही नियम घर में भी लागू करने का फैसला किया। हैरानी की बात है कि बच्चों ने कोई शिकायत नहीं की। गिरी कहते हैं कि 'हमने बड़ा बदलाव देखा। वे न सिर्फ शांत और स्थिर हुए, बल्कि दूसरी चीजों को लेकर उनकी जिज्ञासा भी बढ़ी। वे बाहर जाते, पीछे वाले आंगन में मिट्टी खोद कर लकड़ियां, अकॉर्न और पत्थर चुनते।' ढाई साल बाद भी वे अपने फैसले से पीछे नहीं हटे हैं। गिरी बताते हैं कि अर्जुन और गायत्री उस स्कूल में अच्छे–से पढ़ रहे हैं, जहां 12 साल की उम्र तक कोई डिवाइस नहीं दिए जाते। हमारे जीवन में 2026 के आगमन के साथ ही जहां दुनिया में 'न्यू ईयर, न्यू मी' का नारा गूंज रहा है, वहीं भारत की टेक कैपिटल बेंगलुरु के बच्चे हमें एक अलग संकल्प से चौंका रहे हैं– पढ़ने की ओर फिर से आकर्षित होना। वैश्विक स्तर पर यह बदलाव 2024 में ही दिखने लगा था। फ्लोरिडा के एक बड़े शहरी जिले में परीक्षा में छात्रों के अंक बढ़ गए, जबकि यूरोप की ग्रामीण काउंटीज में छात्रों के व्यवहार से जुड़ी समस्याएं तेजी से कम हुईं। वजह है, क्लासरूम में स्मार्टफोन नहीं होना और इसीलिए रोजमर्रा में इसका इस्तेमाल भी कम होना। हर वक्त बच्चे तक पहुंच बनाए रखने के आदी पैरेंट्स के कारण स्मार्टफोन को कक्षा से बाहर रखने का फैसला करने वाले स्कूलों को काफी दिक्कतें आईं। कई स्कूलों के लिए यह आज भी बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद विकसित देशों के कई राज्यों ने स्कूलों में बच्चों द्वारा फोन का इस्तेमाल सीमित करने के नीति–नियम बनाए हैं। कुछ ने तो फोन रखने के लिए फैराडे बैग देना शुरू किया है, जिनमें धातु की परत बनाकर सेलुलर, वाई–फाई, ब्लूटूथ, जीपीएस, एनएफसी और आरएफआईडी जैसे सभी वायरलेस सिग्नलों को ब्लॉक कर दिया जाता है। इससे बैग में रखे फोन तक कोई नेटवर्क नहीं पहुंच पाता। प्रतिबंधों के पहले साल में कुछ जगहों पर नियम–विरुद्ध फोन इस्तेमाल करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई और उनके निलंबन के मामले बढ़े। लेकिन दूसरे साल, यानी 2025 के अंत में फोन के अत्यधिक इस्तेमाल वाले स्कूलों में भी पैरेंट्स और विद्यार्थियों ने यह नियम स्वीकार लिया। उन्हें लगा कि उनके बच्चों को लेकर शिकायतें कम हुई हैं। कुछ स्कूलों में अनुशासनात्मक कार्रवाइयों में 89 प्रतिशत और निलंबन में 69 प्रतिशत तक गिरावट आई। इस बदलाव पर अध्ययन कर रहे यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर के दो अर्थशास्त्र–शोधकर्ताओं ने दिसंबर के आखिर में, क्रिसमस अवकाश से ठीक पहले विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों में सुधार देखा। वे अभी ग्रेड्स में सुधार को आंकड़ों में नहीं बदल पाए हैं, लेकिन उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन में सुधार देखा है। लड़कों के स्कोर में डबल–डिजिट का सुधार दिखा और कॉलेजों में उपस्थिति भी कुछ प्रतिशत बढ़ी। यकीनन, लोग समझने लगे हैं कि फोन के कारण बच्चे अलग–सा व्यवहार करने लगते हैं और यही उनकी ग्रेड्स प्रभावित करता है। शायद टेक सिटी ने हम सबसे पहले यह हवा भांप ली। बच्चे ही नहीं, कॉलेज छात्रों में भी पढ़ने की आदत आने लगी है। छात्र धीरे–धीरे समझ रहे हैं कि डूम–स्क्रॉलिंग में डूबे रह कर वे पेशेवर जगत में कदम नहीं रख सकते। अधिकतर कॉलेजों में अब न्यूजपेपर स्टैंड हैं और छात्र इन पर आकर पढ़ने के आनंद को फिर से खोज रहे हैं।

अधेड़ का धड़ मिला, सिर गायब,२४ घंटे बाद भी पुलिस को नहीं मिला सिर

अमेठी, (संवाददाता)। जनपद के जायस थाना क्षेत्र में एक अधेड़ व्यक्ति की गला काटकर निर्मम हत्या कर दी गई। बुधवार देर रात अपनी भांजी के घर से निकले इस व्यक्ति का धड़ गुरुवार सुबह एक नाले के किनारे बरामद हुआ। घटना के 24 घंटे बाद भी मृतक का सिर नहीं मिल पाया है। यह घटना जायस थाना क्षेत्र के मोजमगंज पुल के पास सामने आई। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने नाले के किनारे सिर कटा शव देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की। आसपास सिर की तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिला, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान प्रतापगढ़ जिले के विजय सिंह के रूप में हुई। विजय सिंह कपड़े का व्यवसाय करते थे। वह बुधवार को अपनी भांजी पूजा सिंह के जायस रेलवे स्टेशन रोड स्थित घर आए थे और देर रात वहां से निकले थे। पुलिस ने पूजा सिंह की तहरीर पर जायस थाने में अज्ञात हत्यारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच के लिए एसओजी और सर्विलांस सहित पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं, जो हत्यारों और मृतक के सिर की तलाश में जुटी हैं। जांच में सामने आया है कि मृतक विजय सिंह तांत्रिक भी थे और देवा शरीफ के भक्त थे। सूत्रों के अनुसार, उनकी तंत्र–मंत्र विद्या ही उनकी हत्या का कारण बनी हो सकती है।

मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने गणतंत्र दिवस तैयारियों को लेकर की बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने सचिवालय में गणतंत्र दिवस–2026 के आयोजन की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस समारोह पूर्ण भव्यता, गरिमा और राष्ट्रगौरव के अनुरूप आयोजित किया जाए। मुख्य सचिव ने अति विशिष्ट अतिथियों एवं महानुभावों के लिए सचिवालय परिसर के भीतर समुचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विधान भवन के समक्ष स्थित मुख्य भवन तथा लोक भवन के बाह्य भाग की समयबद्ध रंगाई–पुताई और व्यापक सफाई कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विधान भवन एवं लोक भवन के सम्मुख स्थापित स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह, स्वर्गीय गोविंद वल्लभ पंत तथा स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी सहित सभी प्रतिमाओं की समुचित सफाई कराने पर भी जोर दिया। गोयल ने लोक भवन, विधान भवन, बापू भवन, नवीन भवन, शास्त्री भवन, योजना भवन, दरबारी लाल शर्मा भवन एवं विकास भवन को आकर्षक विद्युत सजावट से प्रकाशमान करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विधान भवन एवं लोक भवन की फसाड लाइटिंग तथा अन्य विद्युत सजावट की ट्रायल 24 जनवरी 2026 को अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुख्य सचिव ने शासन और प्रशासन के बीच पूर्ण समन्वय सुनिश्चित करते हुए सभी सुरक्षा मानकों का गहन परीक्षण कराने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन अमृत अभिजात सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अन्ना पशुओं से फसलें बर्बाद,किसानों ने दिया ज्ञापन,

समाधान न होने पर भूख हड़ताल की चेतावनी

बांदा, (संवाददाता)। जिले की बबेरू तहसील के दर्जनों गांवों के किसानों ने अन्ना पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान के खिलाफ जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्या का त्वरित समाधान नहीं किया गया, तो वे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे। किसानों ने ज्ञापन में बताया कि बड़ागांव, आहार, मिलाथू, शिव, मवई, पल्हरी, आलमपुर, बगैहटा, देवरथा, पंडरी, अनौसा और जुगरेहली सहित दर्जनों गांवों में सैकड़ों की संख्या में अन्ना पशु झुंड में घूमकर फसलों को चौपट कर रहे हैं। किसान अपनी खेती का काम छोड़कर दिन–रात फसलों की रखवाली करने को मजबूर हैं। किसानों ने इस बात पर भी जोर दिया कि उत्तर प्रदेश सरकार अन्ना गौवंश के संरक्षण पर अरबों रुपये खर्च कर रही है। इसके बावजूद किसान अन्ना जानवरों की मार झेल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस गंभीर समस्या को लेकर वे पहले भी विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय प्रशासन सहित शासन को कई बार पत्राचार कर गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनकी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। किसानों ने जिलाधिकारी से अन्ना गौवंश की समस्या का तत्काल समाधान करने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जिम्मेदार अधिकारियों ने अब भी लापरवाही बरती या कार्यालयों में बैठकर फर्जी रिपोर्ट लगाकर समाधान का दावा किया, तो वे मजबूरन सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। यह आंदोलन ग्राम मिलाथू स्थित कैप्टन बद्री प्रसाद इंटर कॉलेज के सामने बस स्टॉप पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और आमरण अनशन के रूप में होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों और प्रशासन की होगी। इस मौके पर मनोज कुमार, पवन कुमार, उमादत्त पटेल, हरि प्रसाद, शत्रुघ्न सिंह, धीरज पटेल, राहुल पटेल, प्रमोद पटेल, सुनील पटेल, अक्षय कुमार, प्रदीप पटेल, अमर सिंह, शिवाकांत, संदीप कुमार, इंद्रपाल और अजय कुमार सहित कई किसान मौजूद रहे।

मुंगुस में अखंड रामायण पाठ का हवन से समापन

बांदा, (संवाददाता)। ग्राम मुंगुस के रमसाही तालाब किनारे स्थित शिव मंदिर में जनकल्याणार्थ आयोजित अखंड रामायण पाठ का आज हवन के साथ समापन हो गया। यह पाठ कई दिनों से चल रहा था। इस अवसर पर आयोजित हवन में गांव के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इनमें बृजराज सिंह, स्वामी शरण सिंह, संजय सिंह, निलेश सिंह, अनिल सिंह (गोलू) और उत्तम सिंह प्रमुख रूप से शामिल थे।आज रात्रि में भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

केशव बोले-सपा विधायक टच में, बीजेपी में आना चाहते,भाषण के दौरान बिजली कटी

आगरा, (संवाददाता)। आगरा में शुक्रवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा सपा के कई विधायक हमारे संपर्क में हैं। वे भाजपा में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन पार्टी उन्हें लेना नहीं चाहती है। सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम ने कहा जब से अखिलेश यादव बिहार में चुनाव हारकर लौटे हैं, तभी से वे बौखलाए और घबराए हुए हैं। वे मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं कि 2027 में सरकार बना लेंगे और समाज को बांटकर राज करेंगे। केशव मौर्य सर्किट हाउस से निकल कर फतेहाबाद पहुंचे। यहां जनचौपाल को संबोधित करते समय बिजली गुल हो गई। डिप्टी सीएम करीब 15 मिनट तक मंच पर खड़े रहे। जनरेटर शुरू होने के बाद उन्होंने अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा बिजली विभाग ने गड़बड़ कर दी। उनके खिलाफ तो हम कार्रवाई कर देंगे। दरअसल, कुछ दिन पहले ब्राह्मण विधायकों की बैठकर पर शिवपाल ने कहा था हमारे साथ आ जाइए, सम्मान मिलेगा। सपा के इसी बयान पर केशव मौर्य ने पलटवार किया है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा झूठ फैलाकर सपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ सीटें जरूर हासिल कर ली थीं। उस भ्रम को हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार की जनता ने नकार दिया। देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है, देश भाजपा के साथ था और देश आज भी भाजपा के साथ है। पीडीए का मतलब परिवार डवलपमेंट एजेंसी है और अब इसकी हवा निकल चुकी है। सपा पीडीए को लेकर बिहार चुनाव में गई थी, लेकिन वहां उनका कोई प्रत्याशी तक नहीं था। अखिलेश वहां बेगानी शादी में अब्दुल्ला की तरह पहुंच गए। अखिलेश यादव का कोई ठिकाना नहीं है, वे आज कुछ बोलते हैं और कल कुछ और। अखिलेश यादव का काम गुंडों और माफियाओं को बढ़ावा देना रहा है और यही उनका एकमात्र एजेंडा है। 'जी राम जी' विकसित भारत का रोडमैप है। जब तक गांव विकसित नहीं होंगे, तब तक विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का सपना अधूरा ही रहेगा। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (जी राम जी) का विरोध करने वालों को राम नाम से नफरत है। महात्मा गांधी का हम सभी सम्मान करते हैं, लेकिन कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके और आरजेडी जैसी पार्टियों को राम नाम से आपत्ति है। इसका कारण वही लोग बेहतर बता सकते हैं। जी राम जी के नाम की स्पेलिंग के क्रम में 'राम' शब्द आ गया है, इसी वजह से विपक्ष मनरेगा के इस नए अधिनियम का विरोध कर रहा है।पश्चिम बंगाल में जांच एजेंसियों के विरोध को लेकर पूछे गए सवाल पर डिप्टी सीएम ने कहा पश्चिम बंगाल में टीएमसी जा रही है और भाजपा आ रही है। इसी वजह से टीएमसी बौखलाई और घबराई हुई है। अगर कोई जांच एजेंसी जांच के लिए जाती है, तो किसी मुख्यमंत्री को उसमें हस्तक्षेप करना शोभा नहीं देता। ममता बनर्जी ने जांच में हस्तक्षेप कर यह साबित कर दिया है कि वे भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ हो रही कार्रवाई को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में भाजपा के पूर्व सांसद विनय कटियार ने अयोध्या से चुनाव लड़ने के लिए कहा था। इस पर केशव मौर्य ने कहा– मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता हूं। भाजपा में उम्मीदवार तय करने का अधिकार संसदीय बोर्ड का होता है। जहां जिसे चुनाव लड़ाना होता है, उसकी घोषणा वहीं से की जाती है।

महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने जाहिर की नाराजगी, कुलपति के न मिलने पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में लव जिहाद मामले को लेकर शुक्रवार को उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया, जब उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव को कुलपति से मिलने के लिए कथित तौर पर लगभग 10 मिनट तक खड़ा रखा गया। आरोप है कि इसके बाद भी कुलपति से मुलाकात नहीं हो सकी। इससे नाराज उनके समर्थकों ने प्रशासनिक भवन के बाहर नारेबाजी की। इसके बाद अपर्णा यादव ने प्रशासनिक भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केजीएमयू प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में घटित संवेदनशील घटनाओं की जानकारी समय रहते मुख्यमंत्री और राज्यपाल को नहीं दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मामला महिला उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना से जुड़ा था, तो इसे दबाने की कोशिश क्यों की गई। अपर्णा यादव ने पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश बाबू और वाहिद अली पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि संबंधित मामले को लगभग 10 दिनों तक दबाकर क्यों रखा गया। साथ ही पूछा कि पीड़िता को महिला आयोग के पास जाने से क्यों रोका गया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ष्क्या महिला आयोग को जांच के लिए किसी की अनुमति लेनी पड़ेगी। इससे पहले केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने शुक्रवार को केजीएमयू परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि डॉक्टर रमीज उद्दीन का मामला प्रकाश में आने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया था। कमेटी की जांच के आधार पर उसे निष्कासित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि केजीएमयू में नीट के जरिये डॉ. रमीज का दाखिला हुआ था। यहां प्रवेश चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा दिया जाता है। इसलिए रमीज के निष्कासन की संस्तुति उन्होंने चिकित्सा शिक्षा विभाग से करने की तैयारी की है। विवि के चीफ प्रॉक्टर प्रो आर एस कुशवाहा ने बताया कि जांच के दौरान रमीज एक बार कमेटी के सामने उपस्थित हुआ, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल फोन लगातार बंद जा रहा है। आरोप है कि पैथोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर रमीज ने एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर को प्रेमजाल में फंसाया। शादी की बात सामने आने पर आरोपी ने महिला डॉक्टर पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़िता के विरोध करने पर उसे धमकाया गया, जिससे मानसिक रूप से परेशान होकर महिला डॉक्टर ने नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद उसकी स्थिति में सुधार हुआ। घटना के बाद पीड़िता ने केजीएमयू प्रशासन, पुलिस, मुख्यमंत्री के आईजीआरएस पोर्टल और राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई।

संघ के शताब्दी वर्ष पर ममता ट्रस्ट द्वारा पूरे होंगे सौ अभियान : कौशल जी

लखनऊ, (संवाददाता)। गरीबों एवं असहायों के कल्याण का पर्याय बन चुकी ममता चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्षा मंत्री एवं जन प्रिय सांसद राजनाथ सिंह की प्रेरणा से आज ग्वारी, गोमतीनगर, लखनऊ मे दिव्यांग कृत्रिम अंग सहायक उपकरण एवं कंबल वितरण महाअभियान का विशाल आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कौशल जी , प्रान्त प्रचारक द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने ममता चौरिटेबल ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि ममता चौरिटेबल ट्रस्ट लखनऊ की ही नही बल्कि पूरे भारत की सर्वश्रेष्ठ संस्था है जो संकट के समय चाहे वह कोविड काल में जरूरतमंद लोगो राशन उपलब्ध कराना हो या फिर पूरे लखनऊ को सैनीटाईजर, मास्क सहित मोबिलाइजर मशीन एवं कोविड किट देने का काम रहा हो या शिक्षा के क्षेत्र में किसी गरीब की विद्यार्थियों की सहायता करनी हों या फिर अस्पताल में भर्ती मरीजों को खून की उपलब्धता करानी हो ट्रस्ट ने 24 घंटों की सेवा के साथ जरूरतमंदो के साथ खडी रही है। इसी क्रम में उपस्थित तथा संजय राय, भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि ममता चौरिटेबल ट्रस्ट गरीबों के आंसू पोछने का काम कर रही है। ममता चौरिटेबल ट्रस्ट से अन्य संस्थाओं को सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर आयोजित महाअभियान में ट्राई साइकिल,सहायक उपकरण, बैसाखी,छड़ी,चश्मा कंबल वितरण में हजारों लाभार्थियों ने लाभ लिया। ममता चौरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष एवं भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा ने अपनी टीम के साथ मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का ट्रस्ट का स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ भेट कर अभिनंदन किया। राजीव मिश्रा ने कहा कि ममता ट्रस्ट का संकल्प 101 अभियान पूरे करने के साथ नर सेवा नारायण सेवा है, हम सदैव उनकी हर प्रकार की पीड़ा हरने,उनके जीवन में खुशहाली लाने उनके जीवन को सम्मानजनक बनाने में अपनी पूरी ताकत झोंक देगे इस कार्य में हमे समाज के लोगों का भरपूर सहयोग एवं समर्थन प्राप्त होता रहता है ।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की मिली जमानत,वाराणसी डीजे कोर्ट ने रिहा करने का दिया आदेश

वाराणसी, (संवाददाता)। वाराणसी में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की जमानत मिल गई है। जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत ने जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई की। इसके बाद पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को 50–50 हजार दो जमानतदार और बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। वहीं देवरिया केस में जमानत मिलने पर रिहा होंगे। फिलहाल अभी अमिताभ ठाकुर जेल में नहीं है। वह अभी मेडिकल पर है और अपना इलाज करा रहे है। वारंट बी जारी होने के बाद पुलिस ने 19 दिसंबर को अमिताभ ठाकुर को देवरिया जेल से लाकर प्रभारी विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजीव मुकुल पांडेय की अदालत में पेश किया। न्यायिक रिमांड बनने के बाद पुलिस उन्हें वापस लेकर देवरिया चली गई, इधर उनके वकील ने याचिका दायर कर जमानत मांगी है। इसके बाद जमानत अर्जी पर अभियोजन और बचाव पक्ष की बहस सुनने के बाद विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार की अदालत ने 22 दिसंबर को अमिताभ ठाकुर की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। फिर जिला जज की कोर्ट में दायर याचिका बनारस बार एसोसिएशन चुनाव के कारण टल गई थी।

शुभम जायसवाल के करीबी प्रशांत के घर पुलिस का छापा,

कोडीन कफ सिरप कांड में दर्ज है मुकदमा

वाराणसी, (संवाददाता)। कोडीन कफ सिरप कांड के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के करीबी और राधिका इंटरप्राइजेज और राजेंद्र ड्रैग एजेंसी के मालिक प्रशांत उपाध्याय के घर वाराणसी पुलिस ने छापेमारी की। देर रत मंडुआडीह थाना क्षेत्र के मड़ौली स्थित प्रशांत के घर पर एसीपी क्राइम के नेतृत्व में रामनगर, आदमपुर और कोतवाली पुलिस ने संयुक्त छापेमारी की और कई अहम दस्तावेज वहां से जब्त कर अपने साथ ले गई। वाराणसी की कोतवाली, आदमपुर और रामनगर पुलिस ने बीती रात एसीपी विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में कोडीन कफ सिरप कांड में कोतवाली थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 235ध्2025 के अंतर्गत आरोपी प्रशांत उपाध्याय के घर पहुंची। एसीपी ने बताया मुकदमे के संबंध में हमने प्रशांत के मकान पर छापेमारी की है और कई अहम् दस्तावेज मिले हैं। जिन्हें हमने जब्त किया है। इसकी जांच की जाएगी।छापेमारी के दौरान प्रशांत घर पर नहीं मिला। पुलिस सूत्रों के अनुसार मौके से पुलिस ने कई फर्जी दस्तावेज, कोडीन कफ सिरप के रैपर, शीशियां और पेन ड्राइव और लैपटॉप को जब्त किया है। एसीपी ने बताया प्रशांत की दो फर्म राधिका इंटरप्राइजेज और राजेंद्र ड्रग एजेंसी का शैली ट्रेडर्स से क्या लेनदेन था और कैसे व्यापार होता था। इसकी जांच की जाएगी। कोतवाली थाने में दर्ज मुकदमे में शुभम के साथ दर्ज नाम में प्रशांत का भी नाम है। प्रशांत सप्तसागर दवा मंडी में बड़े कफ सिरप व्यापारी के रूप में जाना जाता है। पुलिस को अनुमान है कि उसकी फर्म द्वारा करोड़ों के कोडीन कफ सिरप का लेनदेन किया है।

बाइक टकराने पर हुई समीर की हत्या,नशे में धुत 5 आरोपियों ने मारी गोली, 3 हमलावर गिरफ्तार

वाराणसी, (संवाददाता)। वाराणसी पुलिस ने बड़ागांव में 10वीं के छात्र की हत्या और दो अन्य साथियों को गोली मारने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वारदात के 15वें दिन पुलिस ने वारदात का खुलासा किया। वारदात की कड़ियां जोड़ी तो पता चला कि हत्याकांड को पांच हमलावरों ने अंजाम दिया। उस रात पांचों हमलावर शराब के नशे में थे और बाइक टकराने के विवाद में छात्र की हत्या कर दी। बदमाशों द्वारा जब रामू के ऊपर गोली चलाई और सामने समीर आ गया। वारदात के बाद पांचों फरार हो गए। हमलावर पुलिस रिकार्ड में शातिर अपराधी हैं और सभी के खिलाफ कई केस दर्ज हैं। डीसीपी गोमती ने शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में समीर हत्याकांड का खुलासा किया। डीसीपी ने बताया कि समीर की हत्या में पांच लोगों का नाम सामने आया है। इसमें बड़ागांव थाना क्षेत्र के करन प्रजापति, प्रेमशंकर पटेल और शुभम मौर्या, आकाश पाल और पवन पाल शामिल हैं। पूछताछ में पता चला कि हत्यारों ने अपने दोस्तों के साथ एसएमएस कालेज के पीछे थाना रोहनिया पर शराब पी इसके बाद सभी 2 मोटरसाइकिलों पर वापस साधोगंज की ओर जा रहे थे। दयालपुर गांव में एक बाग के पास पेशाब के लिए रुके तो यही आकाश पाल के पैर में पीछे से आ रही एक गाड़ी ने टक्कर मारी दी। इस बाइक पर दो लोग सवार थे। बाइक आकाश ने उन लोगों को पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद हम सभी लोगों ने उन दोनों लोगों को पीटा। इस झगड़े में उन दोनों लड़कों ने शोर मचा दिया, जिससे गांव के कुछ लोग इकट्ठा होने शुरू हो गए। इस पर भागने के उद्देश्य से गोली मारने के लिए हम लोगों ने ललकारा जिस पर संदीप द्वारा एक लड़के पर गोली चला दी। हत्यारों ने बताया कि गोली मारकर हम 5 लोग दोनों मोटरसाइकिल लेकर बड़ागांव की और भागने लगे। उसी समय संदीप आदि के पास कोई मोटरसाइकिल नहीं बची थी, अतः उन लोगों ने वहां से गुजर रहे एक लड़के समीर को गोली मारकर उसकी मोटरसाइकिल छीन ली। समीर की बाइक लेकर पांचों शिवाला की ओर भाग गए।

आगरा में रह रहे 38 बांग्लादेशी नागरिक होंगे डिपोर्ट,पुलिस आज पश्चिम बंगाल लेकर जाएगी

आगरा, (संवाददाता)। आगरा में अवैध रूप से रह रहे 38 बांग्लादेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस 10 जनवरी को सभी को अपनी कस्टडी में लेकर कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच पश्चिम बंगाल के लिए रवाना होगी। वहां सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) से समन्वय कर इन्हें बीएसएफ के हवाले किया जाएगा। बीएसएफ 13 जनवरी को सभी को सीमा पार कराकर बांग्लादेश भेजेगी। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि फरवरी 2022 में सिकंदरा थाना क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी सेक्टर–13 में एक अवैध बस्ती का खुलासा हुआ था। जांच में सामने आया कि बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक चोरी–छिपे सीमा पार कर आगरा में रह रहे थे और कबाड़ का काम कर रहे थे।

आयुष महानिदेशालय को अन्यत्र शिफ्ट किये जाने का विरोध

लखनऊ, (संवाददाता)। जवाहर भवन–इन्दिरा भवन कर्मचारी महासंघ की एक बैठक महासंघ में सम्पन्न हुई जिसमें कार्यलयों को अन्यत्र किराये के भवनों में शिफ्ट किये जाने का प्रबल विरोध व्यक्त किया गया।महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय एवं कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार 'बच्चा' ने बताया कि जवाहर भवन और इन्दिरा भवन में पर्याप्त स्थान और सुविधाएं होने के बावजूद कई विभागों को किराये के भवनों में स्थानांतरित किया जा चुका है और वर्तमान में भी महानिदेशालय चिकित्सा शिक्षा और आयुष महानिदेशालय को अन्यत्र ले जाने की कार्यवाही चल रही है, जिसके कारण अनावश्यक रूप से वित्तीय भार पड़ेगा। श्री पाण्डेय एवं श्री बच्चा ने कहा कि एक ओर सरकारी मितव्ययिता की बात कर रही है, दूसरी ओर बिना किसी समुचित कारण के सरकार पर अनावश्यक वित्तीय भार डालकर अन्य स्थानों पर विभागों को शिफ्ट किया जा रहा है। पूर्व में भी पंचायती राज निदेशालय, पेंशन निदेशालय, भूगर्भ विभाग, शारदा सहायक समादेश समेत कई निदेशालय खाली करके अन्यत्र स्थापित हो चुके है, जिनकी कोई आवश्यकता नही थी।उन्होने यह भी कहा कि सचिवालय भवन नजदीक होने के कारण विभागीय बैठकों इत्यादि में आने जाने हेतु भी ये दोनो भवन ज्यादा सुविधाजनक है। बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन भी पास होने के कारण आने जाने में जनता को भी सुविधा है। इस प्रकार के प्रयासों से अपने कार्यों को लेकर आने जाने वाले लोगों और अधिकारियों कर्मचारियों के लिए भी अधिक सुविधा जनक है। श्री पाण्डेय व श्री बच्चा ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर आयुष महानिदेशालय पत्र भेजकर आयुष महानिदेशालय और चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय इन दोनों भवनों में ही बनाए रखने का अनुरोध किया है। बैठक में महामंत्री रामकुमार धानुक आकिल सईद, बब्लू, संजीव त्रिपाठी, उमंग निगम, अजय धानुक, अभिनव त्रिपाठी, दिनेश त्रिपाठी, शफीकुर्रहमान अंसारी, अमन कुमार, दिव्या रानी श्रीवास्तव, सर्वेश मिश्रा, आशीष त्रिपाठी, अंकुर सिन्हा, सूरज मिश्रा, अमित शुक्ला, संजय शुक्ला आदि ने विरोध जताया है।

हड़ताल के पहले जनवरी और फरवरी में सभी प्रान्तों में संयुक्तसभा और सम्मेलन

निजीकरण के विरोध में देशव्यापी समर्थन

लखनऊ, (संवाददाता)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने आज यहां जानकारी दी कि 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियन के संयुक्त मंच ने आज दिल्ली में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में निजीकरण, इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 और श्रम संहिता के विरोध में आगामी 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। निजीकरण के विरोध में देशभर के दस बड़े मजदूर संगठनों का समर्थन मिलने से लगातार 408 दिनों से संघर्षरत उप्र के बिजली कर्मियों में भारी उत्साह है।केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच में इंटक, एटक, सीटू, एच एम एस, ए आई यू टी यू सी, सी सी टी यू,सेवा, ए आई सी सी टी यू,एल पी एफ, यू टी यू सी सम्मिलित हैं।संघर्ष समिति ने बताया कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के राष्ट्रीय सम्मेलन में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि केन्द्र सरकार द्वारा जारी इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 आम उपभोक्ताओं, किसानों और कर्मचारियों के हितों के विपरीत है। यह बिल संसद में पारित किया जाता है तो इसके बहुत घातक परिणाम होंगे और यह सार्वजनिक क्षेत्र के पॉवर सेक्टर को तबाह कर देगा। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के प्रस्ताव में कहा गया है कि आगामी 16 जनवरी को इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 और बीज बिल के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले देश भर में ष्प्रतिरोध दिवसष् मनाया जायेगा। इसके अतिरिक्त बिजली कर्मचारी देश भर में निजीकरण और इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 के विरोध में संघर्ष कर रहे हैं। केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों ने देश भर के मजदूरों का आह्वान किया है कि 16 जनवरी को प्रतिरोध दिवस में सभी ट्रेड यूनियन पूरी तरह सम्मिलित हों और बाद बिजली कर्मियों के साथ सभी प्रान्तों में संयुक्त सभा और सम्मेलन कर व्यापक मोबिलाईजेशन किया जाय। संघर्ष समिति ने बताया कि अब उप्र के बिजली कर्मियों को देश भर के 25 करोड़ कर्मचारियों और मजदूरों का समर्थन मिलने से उप्र के बिजली कर्मी और उत्साह तथा जोश के साथ निजीकरण के विरोध में संघर्ष तेज करेंगे।पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में आज बिजली कर्मियों में प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक विरोध प्रदर्शन जारी रखा।

अवकाश के दिन भी खुलेगें नगर निगम के जोनल कार्यालय

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ ने वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व राजस्व संग्रहण को गति देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नगर आयुक्त के आदेशानुसार आगामी शनिवार एवं रविवार, 10 व 11 जनवरी 2026 को नगर निगम के समस्त जोनल कार्यालय एवं कर काउंटर सुबह 10.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक खुले रहेंगे। वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति में तीन माह से कम का समय शेष रह गया है। इस अवधि में नागरिकों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करते हुए गृहकर एवं जलकर की वसूली बढ़ाने तथा राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सार्वजनिक अवकाश के दिन भी कर संबंधी कार्य किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।इन दोनों दिनों में नगर निगम के सभी जोनल कार्यालयों में भवनस्वामियों का कर निर्धारण, फीडिंग, संशोधन, आपत्तियों का निस्तारण तथा कर जमा कराने से संबंधित समस्त कार्य किए जाएंगे। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे करदाताओं से संपर्क कर उन्हें बकाया गृहकर व जलकर जमा कराने के लिए प्रेरित करें, जिससे अधिक से अधिक राजस्व संग्रह सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, नगर निगम प्रशासन द्वारा यह भी निर्देश दिए गए हैं कि सभी वार्डों में कैंपों का आयोजन किया जाए और उनका व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए, ताकि नागरिकों को अपने ही क्षेत्र में कर निर्धारण एवं कर भुगतान की सुविधा मिल सके। इन कैंपों के माध्यम से कर निर्धारण, कर वसूली और संबंधित समस्याओं के समाधान का कार्य भी किया जाएगा।

अमेठी में धान खरीद लक्ष्य के करीब,1.08 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा

अमेठी, (संवाददाता)। अमेठी जिले में धान खरीद अपने निर्धारित लक्ष्य के करीब पहुंच गई है। जिले में अब तक 1 लाख 8 हजार 370 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है, जो कुल लक्ष्य का 77 प्रतिशत है। किसानों को 246 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है। शासन द्वारा अमेठी जिले के लिए 1 लाख 40 हजार मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिला प्रशासन के निर्देशन और जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी प्रज्ञा मिश्रा के प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल हुई है। जिले भर में कुल 109 खरीद केंद्रों पर धान की खरीद की जा रही है। अब तक 17 हजार 311 किसानों से धान खरीदा गया है। कुल 22 हजार 608 किसानों ने धान बेचने के लिए अपना पंजीकरण कराया था। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी प्रज्ञा मिश्रा ने बताया कि सभी 109 केंद्रों पर धान खरीद की प्रक्रिया लगातार जारी है और जिला अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि धान बेचने वाले किसानों को 48 घंटे के भीतर उनके धान का पैसा सीधे उनके बैंक खाते में भेज दिया जाता है।

केजीएमयू में जबरदस्ती घुसे अपर्णा यादव के समर्थक,जय श्रीराम के नारे लगाए

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव शुक्रवार केजीएमयू पहुंच गई। यहां पहुंचने पर वीसी डॉ. सोनिया नित्यानंद का चौंबर बंद मिला। काफी देर तक चौंबर नहीं खुला तो अपर्णा यादव के साथ पहुंचे समर्थकों ने हंगामा शुरू कर दिया। अपर्णा के समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने वीसी का गेट पीटना शुरू किया। इस हंगामे के दौरान श्रीराम के जयकारे लगाते रहे। लव जिहाद के आरोपी डॉ. रमीजुद्दीन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। काफी देर तक हंगामे के बाद गेट जबरदस्ती ठेलकर घुस गए जिससे उसकी सिटकनी टूट गई। बता दें कि केजीएमयू लव जिहाद और धर्मांतरण प्रकरण में अपर्णा प्रेस कॉन्फ्रेंस करने पहुंचीं। इससे पहले यह प्रेस कॉन्फ्रेंस महिला आयोग के ऑफिस में होने वाली थी। अचानक उन्होंने प्लान बदला और समर्थकों को लेकर केजीएमयू पहुंच गईं। इसके पहले वीसी डॉ. सोनिया नित्यानंद ने दोपहर 12 बजे इसी प्रकरण में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। अपर्णा यादव के जाने के बाद टॅ सोनिया नित्यानंद उसी हॉल में सभी डॉक्टरों के साथ आईं। उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। कहा ऐसे माहौल में काम करना नामुमकिन है।

महिला का अर्धनग्न शव मिला, हत्या की आशंका

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात अधेड़ महिला का अर्धनग्न शव मिला। शव नरायनपुर–फतेहगंज रोड किनारे अमावा जंगल में एक पुलिया के पास सुनसान जगह पर पड़ा था। स्थानीय लोगों की सूचना पर बंथरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की उम्र लगभग 50 वर्ष आंकी जा रही है। उसके चेहरे और माथे पर चोट के निशान थे। महिला के बाएं पैर का पंजा गायब था, जिसे जंगली जानवरों द्वारा खाए जाने की आशंका जताई जा रही है। महिला ने लाल रंग का जैकेट पहना हुआ था और उसके ऊपर एक कंबल पड़ा था। शरीर के निचले हिस्से में पहना गेरुआ रंग का पेटीकोट अस्त–व्यस्त हालत में था। शव के पास कुछ दूरी पर एक झोले में खाना और शराब का पाउच भी मिला। घटनास्थल पर एक टोपी और टूटी हुई चूड़ियां भी पड़ी थीं। बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह ने बताया कि महिला मंदबुद्धि या मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत होती है। प्रथम दृष्टया यह मामला किसी अज्ञात वाहन की टक्कर का लग रहा है। हालांकि, पुलिस हत्या सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों को बुलाकर मृतका की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। पुलिस फिलहाल मामले की गहनता से जांच में जुटी हुई है।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी वर्ष पर संगोष्ठी,

गुरु की संपूर्ण वाणी गुरुमुखी से हिंदी में ट्रांसलेट करेंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। इतिहास,संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना के संगम का साक्षी बना इंदिरा भवन उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी, लखनऊ के सहयोग में एक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष एवं विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजन किया गया। इस आयोजन में इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर गहन चर्चा हुई। संगोष्ठी का मुख्य विषय राष्ट्रीय चेतना हिन्द की चादर गुरु तेग बहादुरश था। इस विषय ने श्रोताओं को भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर जोड़ा, जिससे सभागार में विचार, इतिहास और संवेदना का एक गंभीर और प्रेरणादायक वातावरण निर्मित हुआ। पंजाबी साहित्य के विशेषज्ञ स. नरेन्द्र सिंह मोंगा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब की संपूर्ण वाणी हिंदी में है, लेकिन गुरुमुखी लिपि में होने के कारण हिंदी भाषी लोग इससे पूरी तरह परिचित नहीं हो पाए हैं। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी की वाणी को हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि उनकी वाणी करुणा, निडरता, सहिष्णुता और बलिदान का संदेश देती है, जो वर्तमान समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। मेजर मनमीत कौर सोढी ने गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को सार्वभौमिक बताया। उन्होंने कहा कि उनका त्याग संपूर्ण मानवता के लिए था। उन्होंने कश्मीरी पंडितों की रक्षा के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करते हुए बताया कि इसी कारण उन्हें हिन्द की चादर कहा जाता है।डॉ. रश्मि शील ने राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि दूसरों के अधिकारों की रक्षा करना ही सच्ची राष्ट्रीय चेतना है, जिसे गुरु तेग बहादुर जी ने अपने जीवन और बलिदान से साकार किया। डॉ. अलका पाण्डेय ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि आज के वैचारिक और नैतिक संकट के दौर में गुरु तेग बहादुर जी का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। इस अवसर पर अकादमी प्रतिनिधि अरविन्द नारायण मिश्र,मीना सिंह, महेन्द्र प्रताप वर्मा, रवि यादव और अंजू सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वर्षो बाद एकजुट होकर संघर्ष करेगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

जिलाधिकारी के माध्यम से सीएम को 29 को ज्ञापन कार्यक्रम

लखनऊ, (संवाददाता)। सालों बाद एकजुट हुई आंगनबांडी कार्यकर्ता के चारों संगठन अब एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर संघर्ष करेंगें। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यालय महात्मा गांधी मार्ग लखनऊ में आयोजित बैठक में आंगनबाड़ी के चारों संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने यह निर्णय लिया है। बैठक में संयुक्त मोर्चा में नीलम पाण्डेय महामंत्री महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के शामिल होने पर उनका आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। बैठक में अन्य संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों ने मोर्च में उनके शामिल होने पर मोर्च के और मजबूत एवं संघर्षशील रूप से कार्य करने इरादा जताया। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों की पूर्ति के लिए प्रत्येक जनपद में 29 जनवरी 26 को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भ्रेजा जाएगा। बैठक में मोर्च के शीर्ष पदाधिकारी गीतांजलि मौर्य, शशिबाला, सुषमा कुरील, नीलम पाण्डेय, रामादेवी, अनूप मिश्रा, मिथलेश चौधरी, हीरावती, माया, कल्पना सिंह, कंचन राय, राजेश शर्मा, ज्योत्सना, अमरेन्द्र सिंह की उपस्थिति में आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा की बैठक में 10 सूत्रीय मांग पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में इस बात पर चिन्ता जताई गई की लगातार पत्रचार और संकेतिक प्रदर्शन के बावजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं का निराकरण नही हो पा रहा है। बैठक में कहा गया कि लगभग पचास वर्षो के कार्यकाल में यह ऐसा मौका है जब अलग अलग आंगनबांडी संगठन एक बैनर तले आ गए है। अब मौका है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिए एकजुट होकर संघर्ष किया जाए। बैठक मेंआंगनबाड़ी कार्यकर्ता को पूर्ण कालिक राज्य कर्मचारी का दर्जा, सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार पेंशन और ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्त आयु 65 वर्ष, मुख्य सेविका और सहायिकाओं के पदों पर पदोन्नति सहित महत्वपूर्ण मांगों पर चर्चा की गई।

विकसित भारत का रास्ता विकसित उत्तर प्रदेश से होकर जाएगा : राजनाथ सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत अब कमजोर नहीं है, हम अपने हथियार खुद बना रहे हैं और उत्तर प्रदेश इसमें नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि यही सोच और मेहनत देश को मजबूत बनाती है और इसी रास्ते पर आज हमारी सरकार चल रही है। सिंह ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगता है कि जो उत्तर प्रदेश किसी जमाने में बीमारू राज्य कहा जाता था तथा जिसकी पहचान को गुंडाराज और अपराध से जोड़कर देखा जाता था, आज उसी राज्य में आए दिन उद्योग स्थापित हो रहे हैं। सिंह आज राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर इलाके में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के साथ हिंदुजा परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। रक्षा मंत्री ने कहा, ''विश्व स्तरीय ग्रीन फील्ड एकीकृत वाणिज्यिक वाहन विनिर्माण इकाई की शुरुआत उत्तर प्रदेश की औद्योगिक यात्रा में एक मील का पत्थर है। मैं इस उपलब्धि के लिए अशोक लेलैंड, हिंदुजा समूह और उत्तर प्रदेश की जनता को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ रहा और उसकी पहचान एक ऐसे राज्य के रूप में हो रही है, जो देश के विकास में बढ़–चढ़कर योगदान दे रहा है। सिंह ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगता है कि जो उत्तर प्रदेश किसी जमाने में बीमारू राज्य कहा जाता था तथा जिसकी पहचान को गुंडाराज और अपराध से जोड़कर देखा जाता था, आज उसी राज्य में आए दिन उद्योग स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''लखनऊ में तो ब्रह्मोस एयरोस्पेस की फैक्टरी भी स्थापित की गयी है, जहां ब्रह्मोस मिसाइल बनायी जा रही है। अब यह मिसाइल बाहर से बनकर नहीं आती, हमारे अपने देश में, हमारे अपने उत्तर प्रदेश में बनती है। सरकार ने यहां रक्षा गलियारा बनाया है। इसका मतलब सेनाओं के लिए हथियार, गोला–बारूद और लड़ाकू जहाजों से जुड़ा सामान अब हमारे ही प्रदेश में बनेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी 'डबल इंजन की सरकार ने उत्तर प्रदेश में विकास के इस काम को और तेजी से आगे बढ़ाने के लिए एक नयी नीति बनाई है। उन्होंने कहा, ''सरकार का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में यहां हजारों करोड़ रुपये का नया काम आए और हमारे लाखों नौजवानों को सीधा रोजगार मिले। लखनऊ से सांसद सिंह ने कहा, ''आज, जब भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है तो उसमें उत्तर प्रदेश का योगदान बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि एक विकसित भारत का रास्ता, विकसित उत्तर प्रदेश से होकर ही जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (इवी) विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

विधवा महिला से हैवानियत, मकान मालिक पर नशीली कॉफी पिलाकर दुष्कर्म, ब्लैकमेल और होटल में दरिंदगी का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में ईश्वरीखेड़ा में किराये पर रह रही एक विधवा महिला के साथ दिल दहला देने वाली हैवानियत का मामला सामने आया है। आरोप है कि मकान मालिक ने महिला को नशीली कॉफी पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए। इसके बाद आरोपी ने उन्हें वायरल करने की धमकी देकर करीब 15 दिनों तक महिला को ब्लैकमेल किया और जबरन दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता के अनुसार, घटना करीब 28 दिन पहले शुरू हुई। लगातार प्रताड़ना से तंग आकर वह किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर अपने मायके निगोहां पहुंची और पूरी आपबीती अपने माता–पिता को बताई। इसके बाद उसके पिता ने ईश्वरीखेड़ा स्थित किराये का कमरा खाली करा दिया। इस बात की जानकारी मिलते ही आरोपी ने महिला को फोन कर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी और मिलने के लिए दबाव बनाया। आरोप है कि आरोपी महिला को अपनी बाइक से पीजीआई थाना क्षेत्र के एक होटल ले गया, जहां उसके साथ प्राकृतिक और अप्राकृतिक दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं, आरोपी ने मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना से पीड़िता पूरी तरह सहम गई, लेकिन साहस जुटाकर उसने गुरुवार शाम डीसीपी दक्षिणी और एसीपी गोसाईगंज से शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी दक्षिणी के निर्देश पर पीजीआई पुलिस ने आरोपी मकान मालिक अंकित पाल समेत अन्य के खिलाफ दुष्कर्म और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच की जा रही है और पुलिस का कहना है कि पीड़िता को हर संभव न्याय दिलाया जाएगा।

स्पा सेंटर में लगी आग, सामान जलकर राख

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्ड सिटी स्थित मिलेनियम पैलेस बिल्डिंग के सेकंड फ्लोर पर स्पा सेंटर में आग लग गई है। आग लगने से सैलून का पूरा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शॉर्टकट बताया जा रहा है। एफएसओ मामचंद बड़गुर्जर ने बताया कि देर रात करीब 2.00 बजे कंट्रोल रूम पर आग लगने की सूचना आई। कॉलर ने बताया कि सुशांत गोल्फ सिटी अंतर्गत मिलेनियम पैलेस बिल्डिंग के सेकंड फ्लोर पर संचालित एडीएस स्पा एण्ड सैलून में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर टैंकर मौके पर भेजे गए। मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि स्पा सेंटर के अंदर आग लगी हुई थी। वहां मौजूद लोग अग्निशमन उपकरणों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। आगे की लपटे तेज होने के कारण वो लोग आग बुझा नहीं पाए। दुकान के अंदर धुआं भरा हुआ था। जिसके चलते सबसे पहले धुआं बाहर निकाला गया। इसके बाद फायर सर्विस यूनिट की मदद से आग पर काबू पाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

एएमयू छात्र ने थाईलैंड में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया

अलीगढ़, (संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के स्नातकोत्तर छात्र नवेद आलम ने बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। आलम ने "डिजिटल युग 5.0 में इस्लामी शिक्षा में एआई और अनुकूली शिक्षण का एकीकरणः नैतिक दृष्टिकोण" शीर्षक से अपना शोध पत्र इंटरनेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस 2025 18वीं हलाल साइंस, इंडस्ट्री एंड बिजनेस में प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन का आयोजन चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। उन्होंने थाईलैंड के विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों का भी भ्रमण किया तथा उन्हें शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित भी किया गया। जनसंचार विभाग की अध्यक्ष प्रो. आफरीना रिजवी ने उनके इस उपलब्धि की सराहना की और कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एएमयू के विद्यार्थियों की बढ़ती शैक्षणिक सहभागिता को दर्शाता है।

बैंककर्मी की मौत,तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मारी, साथी वेंटिलेटर पर

नोएडा, (संवाददाता)। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में बैंककर्मी हिमांशु अग्निहोत्री (31) की मौत हो गई। इस दुर्घटना में उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। यह हादसा जेवर–खुर्जा मार्ग पर गांव खाजपुर गूल के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, नोएडा के सेक्टर–12 निवासी हिमांशु अग्निहोत्री और हरियाणा के सोनीपत स्थित अशोक नगर निवासी गौरव छाबड़ा जेवर के थोरा गांव में स्थित एक बैंक शाखा में कार्यरत थे। शुक्रवार सुबह दोनों बुलेट बाइक से नोएडा से बैंक ड्यूटी के लिए जेवर जा रहे थे। खाजपुर गूल गांव के पास पहुंचते ही पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत दोनों घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान हिमांशु अग्निहोत्री को मृत घोषित कर दिया, जो बैंक में उपप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। वहीं, गौरव छाबड़ा की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। जेवर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आरोपी कार चालक विशाल, निवासी रबूपुरा, को हिरासत में ले लिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हिमांशु अग्निहोत्री की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में शोक छा गया। परिजन तुरंत अस्पताल पहुंचे। बताया जा रहा है कि हिमांशु परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे।

फोरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर ठगी,आरोपी गिरफ्तार, 4.60 लाख रुपए नगद बरामद

नोएडा, (संवाददाता)। नोएडा में फारेक्स क्वाइन ट्रेडिंग करने के बहाने एक व्यक्ति पीड़ित की कार से 10 लाख रुपए का बैग लेकर भाग गया। पीड़ित ने इसकी शिकायत थाना सेक्टर–20 पुलिस से की। पुलिस ने आरोपी शिखर खुराना को मल्टीलेवल कार पार्किंग के फुटपाथ से गिरफ्तार किया। इसके पास से 4.60 लाख नगद और खाते में जमा करीब दो लाख रुपए फ्रीज कराए गए। पीड़ित सचिन रागी ने सोनीपत के रहने वाले है। 5 जनवरी को उसकी बात शिखर से फोरेक्स क्वाइन लेने पर बात हुई थी। शिखर ने उसे सेक्टर–18 के डीएलएफ मॉल के पास मिलने बुलाया था। पांच जनवरी को ही शाम करीब साढ़े सात बजे करीब 10 लाख रुपए कैश लेकर डीएलएफ मॉल के पास पहुंचा। वहीं शिखर खुराना भी पहुंचा। हम दोनों गाड़ी में बैठकर बात कर रहे थे। उसने मुझे फोरेक्स क्वाइन का स्क्रीन शॉट दिखाया। स्क्रीन शॉट देख ही रहा था। इसी दौरान वो 10 लाख से भरा बैग लेकर कार से उतरा गया और भाग गया। स्क्रीन शॉट के बारे में जानकारी की तो वो फर्जी निकला। मैने से फोन किया तो उसने कोई सही जवाब नहीं दिया। वो पैसे लेकर आने के लिए बोला लेकिन आया नहीं। ठगी की आशंका होने पर थाना सेक्टर–20 पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। ताकि उसके पता चल सके कि उसने कितने लोगों से इस तरह से ठगी की है।

बुजुर्ग महिला से चेन लूट का प्रयास,लिफ्ट में हेलमेट पहनकर घुसा बदमाश

नोएडा, (संवाददाता)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक सोसायटी में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बिसरख थाना क्षेत्र स्थित ला रेजिडेंशिया सोसायटी की लिफ्ट में एक बुजुर्ग महिला से चेन लूटने का प्रयास किया गया। महिला के शोर मचाने के बाद हेलमेट पहने बदमाश मौके से फरार हो गया। यह घटना ला रेजिडेंशिया सोसायटी के बी–1 टावर नंबर 15 में हुई। बुजुर्ग महिला भारती जानी अपनी बच्ची के साथ लिफ्ट में प्रवेश कर रही थीं। तभी हेलमेट पहने एक व्यक्ति उनके पीछे लिफ्ट में घुस गया और महिला की चेन छीनने का प्रयास किया। महिला के चिल्लाने पर बदमाश ने उन्हें धक्का दिया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद बुजुर्ग महिला ने अपने फ्लैट पर पहुंचकर परिजनों को पूरी जानकारी दी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें हेलमेट पहने व्यक्ति को लिफ्ट में घुसते और भागते हुए देखा जा सकता है। महिला के परिजनों ने बताया कि उनकी मां घटना से काफी घबराई हुई हैं। उनके बेटे नरेंद्र जानी ने कहा कि लिफ्ट के अंदर ऐसी घटना होने से वे स्तब्ध हैं। इस घटना के बाद सोसायटी के निवासियों में भारी रोष है। उनका आरोप है कि सोसायटी में सुरक्षा व्यवस्था लचर है और कोई सुरक्षा गार्ड भी मौजूद नहीं रहता।

एएमयू कुलपति ने एमएसडब्ल्यू प्लेसमेंट ब्रोशर का विमोचन किया

अलीगढ़, (संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नइमा खातून ने सहकुलपति प्रो. मोहम्मद मोहसिन खान के साथ मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) 2024–26 बैच के चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ब्रोशर का विमोचन कुलपति सचिवालय में किया। ब्रोशर में एमएसडब्लू पाठयक्रम उत्तीर्ण छात्रों की शैक्षणिक प्रशिक्षण और फील्डवर्क अनुभव की जानकारी दी गई है तथा इसके साथ ही प्लेसमेंट प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत भी हुई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नइमा खातून ने सामाजिक कार्य विभाग और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि एएमयू का एमएसडब्ल्यू कार्यक्रम निरंतर ऐसे सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध पेशेवर तैयार कर रहा है, जो वर्तमान चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। सहकुलपति प्रो. मोहम्मद मोहसिन खान ने कहा कि समय–समय पर अद्यतन किया जाने वाला पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पेशेवर दक्षता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने में सहायक है। समाज विज्ञान संकाय के डीन एवं सामाजिक कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. इकराम हुसैन ने 2024–26 बैच में उपलब्ध विशेषीकरणों मानव संसाधन प्रबंधन, औद्योगिक संबंध एवं सामुदायिक विकास की जानकारी दी और विद्यार्थियों की परिवर्तनकारी भूमिका पर विश्वास जताया। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक डॉ. मोहम्मद ताहिर ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए व्यापक फील्ड प्रशिक्षण तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ प्लेसमेंट सेल की सक्रिय सहभागिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. मोहम्मद आरिफ खान, डॉ. अंदलीब, डॉ. मोहम्मद उजैर और डॉ. समीरा खानम सहित सामाजिक कार्य विभाग के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

प्रो. आदम मलिक खान इस्लामिक स्टडीज विभाग के अध्यक्ष नियुक्त

अलीगढ़, (संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के इस्लामिक स्टडीज विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. आदम मलिक खान को इस्लामिक स्टडीज विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल 9 जनवरी 2026 से प्रारंभ होकर 10 मई 2028 तक होगा।प्रो. आदम मलिक खान को एएमयू में अध्यापन और शोध का 26 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे एक प्रतिष्ठित विद्वान हैं और उनकी कई पुस्तकें तथा शोध लेख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं एवं संपादित ग्रंथों में प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी प्रमुख पुस्तकों में मुस्लिम स्पेन में विज्ञान के विकास और ईरान में इस्लाम पर आधारित कृतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने देश–विदेश की शैक्षणिक पत्रिकाओं में उल्लेखनीय योगदान दिया है तथा एएमयू के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए अध्ययन सामग्री भी तैयार की है। प्रो. खान ने विविध विषयों पर बड़ी संख्या में शोधार्थियों को पीएचडी और पोस्ट–डॉक्टोरल स्तर पर मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्होंने यूजीसी द्वारा वित्तपोषित महिला शोधार्थियों के लिए पोस्ट–डॉक्टोरल कार्यक्रम के अंतर्गत एक फेलो का भी सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया है। शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ–साथ प्रो. खान ने विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रशासनिक और संस्थागत दायित्वों का भी निर्वहन किया है। वे एक हॉल ऑफ रेजिडेंस के प्रोवोस्ट, सहायक प्रॉक्टर और उप–प्रॉक्टर के रूप में सेवाएं दे चुके हैं तथा परीक्षा, प्रवेश और विश्वविद्यालय स्तरीय समितियों से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

लव जिहाद का आरोपी डॉक्टर निष्कासित होगा, केजीएमयू कुलपति का डीजीएमई को लेटर

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू यौन शोषण और धर्मांतरण के आरोपी डॉ. रमीजुद्दीन नाइक उर्फ रमीज मलिक को निष्कासित करेगा। कुलपति सोनिया नित्यानंद ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। विशाखा कमेटी की रिपोर्ट पर यह एक्शन लिया गया है। डीजीएमई भी मामले में कार्रवाई करेगा। केजीएमयू के ब्राउन हॉल में शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कुलपति ने आरोपी डॉ. रमीज मलिक के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में रमीज मलिक अब केजीएमयू का हिस्सा नहीं रह सकता। यही कारण है कि अब यूनिवर्सिटी ने कठोरतम कार्रवाई की संस्तुति की है। इसके लिए विशाखा कमेटी के रिपोर्ट के आधार डीजीएमई को आज लेटर लिखा जा रहा जा है। बहुत जल्द उसे निष्कासित किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले 22 दिसंबर को ही उसे सस्पेंड कर दिया गया था और उसके बाद से ही कैंपस में उसकी एंट्री बैन है। पत्रकार वार्ता के दौरान विशाखा कमेटी की प्रमुख और केजीएमयू के एनेस्थीसिया विभाग की एचओडी डॉ. मोनिका कोहली ने कहा कि जांच कमेटी के सामने महज एक बार रमीज पेश हुआ था। उसने तब ये कहा था कि दोनों ने आपसी रजामंदी से संबंध बनाए थे। उसने पहले से शादीशुदा होने की बात को नकार दिया था। मोनिका कोहली ने कहा कि जांच में आरोपी को दोषी पाया गया। इसके बाद सभी सदस्यों की सहमति से फाइनल रिपोर्ट कुलपति को भेज दी गयी। अब आगे की कार्रवाई कुलपति के द्वारा की जाएगी। इस दौरान केजीएमयू में धर्मांतरण और कट्टरपंथी गतिविधियों की जांच के लिए बनाई गई फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. के.के. सिंह, चीफ प्रॉक्टर डॉ. आर.ए.एस. कुशवाहा भी मौजूद रहे। बुधवार को शाम करीब 4 बजे विशाखा कमेटी ने बैठक की थी। तमाम पहलुओं और साक्ष्यों पर गौर करने के साथ अंतिम बार फरार आरोपी डॉक्टर से संपर्क करने का प्रयास किया। उससे संपर्क नहीं हो सका। इस बीच पुलिस जांच सहित आईसीसी को मिले सबूतों में इस मामले में उसकी संलिप्तता के पुख्ता प्रमाण मिले। रात करीब 8 बजे विशाखा जांच कमेटी के सभी सदस्यों की मौजूदगी में जांच पूरी रिपोर्ट कुलपति को भेज दी थी। धर्मांतरण और कट्टरपंथी गतिविधियों की जांच के लिए एक सात सदस्यीय टीम अलग से जांच कर रही है। उसमें पूर्व पुलिस महानिदेश भावेश भी शामिल हैं। समिति ने बुधवार को करीब ढाई घंटे तक बैठक की थी। डीन एकेडमिक ऑफिस में हुई इस बैठक में जांच कमेटी के सभी सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान कुछ रेजिडेंट्स डॉक्टर्स के बयान दर्ज हुए। इसके अलावा सामाजिक संगठनों से जुड़े कुछ लोग भी शामिल हुए। अधिवक्ताओं का एक समूह भी जांच कमेटी के सामने पेश हुआ। जिसके द्वारा कैंपस में धर्मांतरण और लव जेहाद का सिंडिकेट सक्रिय होने की बात कही गई। साथ ही इसे मिशन के तौर पर वर्ग विशेष के फैकल्टी और स्टाफ द्वारा फैलाने का भी आरोप लगाया गया। हालांकि, इसको लेकर कमेटी के सामने कोई ठोस सबूत नहीं दिया गया।

फ्रेंड बताकर ठगे 6.64 लाख,मेडिकल इमरजेंसी बताया कारण

नोएडा, (संवाददाता)। साइबर ठग ने खुद को सहपाठी होने का दावा करते हुए एक व्यक्ति से संपर्क किया। मेडिकल इमरजेंसी बताकर जालसाज ने विभिन्न बैंक खातों में 6.64 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। जालसाज ने पीड़ित को रकम वापस करने के नाम पर फर्जी एसएमएस भेजे। ठगी की जानकारी होने पर पीड़ित ने साइबर अपराध थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर–78 स्थित अंतरिक्ष गोल्फ व्यू सोसाइटी निवासी जय प्रकाश सैनी ने पुलिस को बताया कि 23 अक्टूबर को उन्हें अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को सहपाठी अनिल सक्सेना होने का दावा किया। इस पर उन्हें संदेह हुआ, लेकिन जब उसने स्कूल के समय इस्तेमाल होने वाले उपनाम के बारे में बात की तो उन्हें विश्वास हो गया। उसने कहा कि उसका एक रिश्तेदार मेडिकल इमरजेंसी का सामना कर रहा है। उसने बताया बैंक की सीमा समस्या होने के चलते वह उन्हें रुपये ट्रांसफर नहीं कर पा रहा है। उसने शिकायतकर्ता से रकम ट्रांसफर करने के लिए कहा। इसके लिए उसने क्यूआर कोड भेजा। पहला ट्रांजैक्शन करने के बाद शिकायतकर्ता के मोबाइल पर एसएमएस प्राप्त हुआ। इससे पता चला कि जितनी रकम उन्होंने ट्रांसफर की थी, उतनी राशि उनके बैंक खाते में वापस ट्रांसफर कर दी गई है। एसएमएस प्राप्त होने पर उन्हें उस व्यक्ति पर भरोसा हो गया। इसके बाद आरोपी लगातार उन्हें फर्जी एसएमएस भेजता रहा और पीड़ित से धीरे–धीरे करके कुल 6,64,237 रुपए विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए।

तलाक के बाद जय से ली 5 करोड़ की एलिमनी? ट्रोलर्स की बातों से चढ़ा माही विज का पारा, कहा– ड्रामा पसंद नहीं

टीवी एक्ट्रेस माही विज और जय भानुशाली इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। इस मशहूर कपल ने कुछ दिनों पहले ही अपने तलाक की घोषणा की और अपने फैसले से सबको चौंका दिया। जय और माही शादी के पूरे 15 साल बाद अलग हो गए हैं। उनके तलाक के बाद लोग सोशल मीडिया पर तरह–तरह की बातें कर रहे हैं। कई यूजर्स ने दावा किया कि जय

अपनी पत्नी का सम्मान नहीं करते थे इस वजह से दोनों अलग हो गए। इतना ही नहीं, कई लोगों ने तो माही पर 5 करोड़ एलिमनी लेने का आरोप भी लगाया। इन सब बातों के बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और गलत खबरें फैलाने वालों पर भड़ास निकाली है। तलाक के बाद उठ रही तरह–तरह की बातों के बीच माही विज ने अपने व्लॉग में कहा– हां, मेरा और जय का तलाक हो गया है और हम अच्छे दोस्त हैं। हम दोनों को ड्रामा पसंद नहीं है, हमने साथ में ही तय किया था कि हम अपने–अपने रास्ते जाएं। एक्ट्रेस ने बताया कि वो कमेंट सेक्शन पढ़ रही हैं। लोग कह रहे हैं कि तलाक ही लेना था तो बच्चे क्यों लिए थे। इसका जवाब देते हुए माही ने कहा हमारा बैंक अकाउंट नहीं खाली हुआ है। हम बच्चों को देख सकते हैं और ऐसा नहीं है कि जय हाथ झाड़कर भाग गया है या मेरे पास कुछ नहीं है। तीनों बच्चे वैसे ही जिएंगे जैसे जीते आए थे।आगे माही ने बताया कि जय की फैमिली तारा से बहुत जुड़ी हुई है। जय के भाई–भाभी का मैसेज आता है कि हम अब भी मिलेंगे। जय मेरे स्पेस का सम्मान करते हैं और मैं उनके स्पेस का सम्मान करूंगी। माही विज ने कहा– कई लोग कह रहे हैं कि मैंने 5 करोड़ एलिमनी ली है। हमने तो कुछ किया नहीं है मगर आप लोग ये कमेंट करके गंदगी कर रहे हैं। जिसकी जरुरत नहीं है। बता दें, जय भानुशाली की माही विज से मुलाकात एक क्लब में हुई थी। तीन महीने के अंदर माही ने जय की जिंदगी बदल दी। 31 दिसंबर 2009 को जय ने उन्हें प्रपोज किया और 2010 में कपल ने शादी रचा ली। शादी के 9 साल बाद कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया जिसका नाम उन्होंने तारा भानुशाली रखा, लेकिन अब शादी के 15 साल बाद ये कपल हमेशा के लिए अलग हो गया है।

संजय लीला भंसाली के ऑफिस में रणबीर,आलिया, 'लव एंड वॉर' के लिए हो रही है जबरदस्त गाने की तैयारी ?

नए साल 2026 की शुरुआत काफी उत्साह से भरी रही है, इसकी वजह यह है कि हाल ही में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को मुंबई के जुहू स्थित फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के ऑफिस में देखा गया। इस मुलाकात ने उनकी सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली 2026 की फिल्म लव एंड वॉर को

लेकर अटकलों को और तेज कर दिया है कि आगे क्या खास होने वाला है। इस दौरान रणबीर और आलिया के साथ कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की मौजूदगी ने भी सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा और साथ ही सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं यह मीटिंग फिल्म के किसी बड़े और ग्रैंड सॉन्ग की तैयारी से तो जुड़ी नहीं है। संजय लीला भंसाली अपनी शानदार विजुअल्स, यादगार म्यूजिक और शानदार कोरियोग्राफी के लिए जाने जाते हैं, और ऐसे में गणेश आचार्य की मौजूदगी ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। ग्रैंड सेट्स से लेकर बड़े लेवल के डांस नंबर्स तक, भंसाली की फिल्मों के गाने हमेशा खास रहे हैं, और अब फैंस जानना चाहते हैं कि क्या लव एंड वॉर में भी ऐसा ही कोई बड़ा नजारा देखने को मिलेगा। बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा ऑन–स्क्रीन जोड़ियों में से एक रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक बार फिर संजय लीला भंसाली के निर्देशन में साथ नजर आने वाले हैं। पहले की यादगार फिल्मों के बाद उनकी यह मुलाकात खास मानी जा रही है।

ऑस्कर की जनरल एंट्री लिस्ट में पहुंचीं होम्बले फिल्म्स की दो बड़ी फिल्में, 'महावतार नरसिम्हा' और 'कांतारा चैप्टर 1' ने दर्ज कराई मौजूदगी

भारत के प्रतिष्ठित और दूरदर्शी प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। साल 2025 में रिलीज हुई उसकी दो बहुचर्चित फिल्मों– 'महावतार नरसिम्हा' और 'कांतारा चैप्टर 1'– को ऑस्कर की जनरल एंट्री लिस्ट के लिए आधिकारिक तौर पर भेजा गया है। इस उपलब्धि के साथ भारतीय सिनेमा को एक बार फिर वैश्विक मंच पर पहचान मिलने की उम्मीद जगी है।'कांतारा चैप्टर 1' का निर्देशन अभिनेता–फिल्ममेकर ऋषभ शेट्टी ने किया है, जबकि 'महावतार नरसिम्हा' को डायरेक्टर अश्विन कुमार ने पर्दे पर उतारा है। रिलीज के साथ ही दोनों फिल्मों ने दर्शकों का दिल जीत लिया और सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया। इन फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की, बल्कि अपनी दमदार कहानी, भारतीय संस्कृति से जुड़े गहरे भाव, भव्य विजुअल ट्रीटमेंट और आधुनिक तकनीक के बेहतरीन इस्तेमाल के लिए भी खूब तारीफें बटोरीं। ऑस्कर की जनरल एंट्री लिस्ट में आने के

बाद अब इन दोनों फिल्मों पर कई बड़े अवॉर्ड कैटेगरी में डाले जाने को लेकर ध्यान दिया जाएगा। इनमें बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट प्रोड्यूसर, बेस्ट स्टोरीध्राइटिंग, बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन और बेस्ट सिनेमैटोग्राफी जैसी कैटेगरी शामिल हैं। ऐसे में, आगे इन्हें शॉर्टलिस्ट किया जाएगा या नहीं, इसका फैसला अकादमी द्वारा किया जाएगा। खास बात यह है कि इस साल ऑस्कर जनरल एंट्री लिस्ट में शामिल कुल पाँच भारतीय फिल्मों में से दो फिल्में होम्बले फिल्म्स की हैं। जैसे–जैसे भारतीय सिनेमा दुनिया भर में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है, होम्बले फिल्म्स की यह उपलब्धि इंडस्ट्री की बढ़ती ग्लोबल मौजूदगी और क्रिएटिव ताकत को साफ दिखाती है। यह होम्बले फिल्म्स के साथ–साथ पूरे भारतीय सिनेमा के लिए एक सचमुच गर्व का पल है।

किंग का हिस्सा बनना सपना सच होने जैसा है..शाहरुख खान की फिल्म में काम करने को लेकर बोले अक्षय ओबेरॉय

एक्टर अक्षय ओबेरॉय जल्द ही सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में काम करते नजर आएंगे। उनके लिए यह सिर्फ एक साथ काम करने का अनुभव नहीं है, बल्कि यह उनके लिए एक बेहद निजी उपलब्धि I और लंबे समय से देखे गए सपने के पूरा होने जैसा है। उनका कहना है कि शाहरुख की फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। ऐसे में हाल ही में एक्टर ने किंग खान के इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर अपने विचार शेयर किए हैं। अक्षय ओबेरॉय ने शाहरुख खान स्टारर किंग में काम करने के अनुभव को लेकर कहा, "शाहरुख खान की फिल्म किंग का हिस्सा बनना सच में सपने के सच होने जैसा है। एक एक्टर के रूप में मैं उनकी फिल्में देखते हुए बड़ा हुआ हूं, उनके सफर को करीब से देखा है और उनके काम से हमेशा प्रेरित रहा हूं। ऐसे में उनकी किसी फिल्म से जुड़ना अपने आप में बहुत खास है। अक्षय ओबेरॉय ने कहा, "शाहरुख खान सिर्फ एक बड़े सितारे नहीं हैं, बल्कि अपने आप में एक संस्था हैं। उनका अनुशासन, उनकी सादगी और उनका पेशेवर रवैया बेमिसाल है। इतने सालों से दुनिया

भर के लोगों के दिलों पर राज करने के बावजूद उनका जमीन से जुड़ा रहना वाकई हैरान करने वाला है। एक्टर ने कहा , "शाहरुख के नेतृत्व वाली फिल्म पर काम करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह उनकी सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है और उस दुनिया का हिस्सा बनना, उस स्तर, ऊर्जा और मेहनत को करीब से देखना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव है। बीते कई दशकों में सिनेमा के लिए उनका योगदान अद्भुत रहा है और उस विरासत से किसी भी रूप में जुड़ पाना बेहद संतोष देने वाला है। यह आपको खुद से बेहतर करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करता है। अक्षय ओबेरॉय के लिए किंग उनके करियर का एक अहम पड़ाव है। शाहरुख खान की फिल्म किंग से जुड़ाव ने उनके उस विश्वास को और मजबूत किया है कि मेहनत, लगन और अपने काम के प्रति सम्मान ही सफलता की असली कुंजी हैं, वे मूल्य जिन्हें शाहरुख खान आज भी सहज रूप से जीते हैं।

सीआरपीएफ सेंटर में 1659 नव आरक्षकों का दीक्षांत समारोह

अमेठी, (संवाददाता)। नगर के त्रिशुण्डी स्थित सीआरपीएफ रिक्रूट प्रशिक्षण केंद्र में 16वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में कुल 1659 नव आरक्षी शामिल हुए, जो देश के विभिन्न राज्यों से आए थे। ये सभी जवान अब देश के अलग–अलग हिस्सों में तैनात होकर राष्ट्र की सेवा करेंगे और दुश्मनों का सामना करेंगे। इन 1659 आरक्षियों में पश्चिम बंगाल से 250, बिहार से 194, असम से 188, तेलंगाना से 142, आंध्र प्रदेश से 130, झारखंड से 126, छत्तीसगढ़ से 109 और जम्मू–कश्मीर से 94 आरक्षी शामिल थे।प्रशिक्षण के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरक्षियों को सम्मानित किया गया। इनमें ऑल अराउंड बेस्ट और बेस्ट इन आउटडोर के लिए रामकेश रावत, बेस्ट इन इनडोर के लिए भीतान्डे शुभम, बेस्ट इन वेपन हैंडलिंग के लिए आरक्षी आकाश लोधी, बेस्ट इन ड्रिल के लिए आरक्षी मोव्वा दिनेश, बेस्ट इन फिजिकल के लिए तपरे धीरज, बेस्ट फायर के लिए वाल्के अनिकेत कुंजाराम, बेस्ट इन बीओएसी के लिए आकाश कुमार और बेस्ट स्पोर्ट पर्सन के लिए यू अनिल कुमार शामिल थे। इसके अतिरिक्त, बेस्ट ट्रेनर का सम्मान हवलदार साबिर खान को दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय पुलिस सेवा के विशेष महानिदेशक जकी अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि आज हमारे देश के सामने अनेक समस्याएं हैं। उन्होंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की बहुआयामी भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि बल को राष्ट्र विरोधी तत्वों का सामना करने के साथ–साथ सांप्रदायिक दंगों और चुनाव ड्यूटी जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। अहमद ने बताया इन जवानों को उच्च कोटि का प्रशिक्षण दिया गया है, जिसके लिए उन्होंने संस्थान के प्रशिक्षकों को बधाई दी।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

कुशीनगर, (संवाददाता)। शुक्रवार सुबह पनियहवा–खड्डा मार्ग पर हनुमानगंज थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का क्षत–विक्षत शव मिला। थाना से मात्र 100 मीटर आगे मिले शव को सबसे पहले रेलवे ट्रैक की चेकिंग कर रहे की–मैन ने देखा। उसने तत्काल पनियहवा रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक को इसकी सूचना दी। स्टेशन अधीक्षक विकास कुमार ने हनुमानगंज पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर तलाशी ली। मृतक ने काले रंग की जींस और काले रंग का कोट पहन रखा था। तलाशी के दौरान मृतक के पास से 8 जनवरी का पनियहवा से बगहा जाने का रात 10.56 बजे का सवारी टिकट मिला। घटनास्थल से कुछ दूरी पर काले रंग का एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। इन बरामदगी से मामला रहस्यमय बना हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी और पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। हनुमानगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तथा शिनाख्त के साथ–साथ सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है।

महेंद्र कपूर की जयंती मनाई दी श्रद्धांजलि

कुशीनगर, (संवाददाता)। जिले के कसया स्थित डीडी मंत्रा नृत्य एवं संगीत विद्यालय में भारत के प्रसिद्ध गायक महेंद्र कपूर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उनके गीतों की प्रस्तुति देकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शुक्रवार को आयोजित समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में छात्रों और कलाकारों ने महेंद्र कपूर के लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। छात्रा गीता वर्मा ने आधा है चंद्रमा रात आधी गीत प्रस्तुत किया, जिसे काफी सराहा गया। छात्र सौरभ सिंह ने चलो एक बार फिर से अजनबी बन जाए हम दोनों गाया। रीता देवी ने तुम अगर साथ देने का वादा करो प्रस्तुत किया, जिसने माहौल को खुशनुमा बना दिया। प्रियांशु और निशा ने मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती गाकर श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम जगाया। काश्वी ने प्रीत जहां की रीत सदा और डॉ. एस.के. दुबे ने बीते हुए लम्हों की कसक साथ तो होगी गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि पूर्व प्रवक्ता सुरेश गुप्ता ने महेंद्र कपूर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने विभिन्न प्रकार के गीत गाए और उनकी आवाज में एक विशेष खनक थी, जिसे लोग हमेशा पसंद करते रहे हैं और करते रहेंगे।

गड्ढे में डूबकर 2 बच्चों की मौत,बश्वल पानी में गिरी तो उठाने गए थे, पैर फिसलने से डूबे

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद की खड्डा तहसील के भुजौली बुजुर्ग ग्राम सभा के पोखरा टोला गांव में गुरुवार को एक पानी के गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब दोनों बच्चे अपने घर के दरवाजे पर बैट–गेंद खेल रहे थे।जानकारी के अनुसार, आर्यन और मयंक खेलते समय गेंद मार रहे थे। उनकी गेंद पास ही स्थित पानी से भरे एक गड्ढे में जा गिरी। गेंद निकालने के लिए पहले एक बच्चा गड्ढे के पास गया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से वह पानी में गिर गया। उसे डूबता देख दूसरा बच्चा भी गेंद निकालने के प्रयास में गड्ढे के पास पहुंचा और वह भी पानी में गिर गया। गड्ढे में अधिक पानी होने के कारण दोनों बच्चे डूब गए। कुछ देर बाद पास मौजूद एक बच्ची ने गड्ढे में एक बच्चे को देखा और आर्यन की बहन को सूचना दी। बहन के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत आर्यन को गड्ढे से बाहर निकाला। इसके बाद लकड़ी डालकर तलाश करने पर मयंक भी पानी की सतह पर दिखाई दिया, जिसे बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान आर्यन (लगभग 4 वर्ष), पुत्र रामायण, और त्रिशान उर्फ मयंक (लगभग 3 वर्ष), पुत्र दीपलाल सिंह के रूप में हुई है। आर्यन अपने माता–पिता की चार संतानों में सबसे छोटा था, जिसमें तीन बहनें थीं। मयंक अपने माता–पिता की दो संतानों में सबसे छोटा था, उसकी एक बड़ी बहन है। दोनों बच्चों के पिता मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते हैं।दोनों बच्चों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुर्कहा ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी खड्डा रामवीर सिंह, राजस्व निरीक्षक अभिमन्यु मिश्रा और थाना अध्यक्ष गिर्जेश उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को सांत्वना दी और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

खड्डा रेलवे स्टेशन पर शराब बरामद,लावारिस झोले से मिलीं

कुशीनगर, (संवाददाता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने खड्डा रेलवे स्टेशन पर एक लावारिस झोले से शराब की बड़ी खेप बरामद की है। यह कार्रवाई शुक्रवार, 9 जनवरी 2026 को प्लेटफार्म संख्या एक पर की गई। आरपीएफ पोस्ट कप्तानगंज द्वारा की गई इस कार्रवाई से रेलवे परिसर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिली है। आरपीएफ पोस्ट कप्तानगंज के हेका राजकुमार खड्डा रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर थे। प्लेटफार्म संख्या एक के पूर्वी छोर पर उन्हें एक पीले रंग का प्लास्टिक का झोला लावारिस हालत में मिला। सुरक्षा कारणों से उन्होंने आसपास के यात्रियों से झोले के बारे में पूछताछ की, लेकिन किसी ने भी उसे अपना नहीं बताया। इसके बाद, झोले की जांच करने पर उसमें रॉयल स्टैग व्हिस्की की 9 बोतलें मिलीं। प्रत्येक बोतल में 375 एमएल शराब थी, जिससे कुल मात्रा 3.375 लीटर हो गई। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 3150 रुपये बताई गई है, जिसमें प्रत्येक बोतल की कीमत लगभग 350 रुपये है। आरपीएफ ने सुबह करीब 10.30 बजे शराब को विधिवत जब्त कर लिया।

कुशीनगर के गांवों में बन रहीं डिजिटल लाइब्रेरी, 14 ब्लॉकों में 28 लाइब्रेरी तैयार, उपकरणों की खरीद बाकी

कुशीनगर, (संवाददाता)। जिले में ग्रामीण शिक्षा और डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जिले के 14 ब्लॉकों में कुल 28 डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं। इन पुस्तकालयों के भवन बनकर तैयार हो चुके हैं, और अब उपकरणों की खरीद का कार्य शेष है। यह पहल उत्तर प्रदेश सरकार की सभी ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की योजना का हिस्सा है। कुशीनगर के डीपीआरओ आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि इन डिजिटल लाइब्रेरी में आधुनिक सुविधाएं जैसे वाई–फाई, कंप्यूटर, टैबलेट और डिजिटल लर्निंग सामग्री उपलब्ध होंगी। इनमें ई–बुक्स और वीडियो भी शामिल होंगे, जिससे ग्रामीण युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। प्रत्येक लाइब्रेरी पर लगभग 4 लाख रुपये का निवेश किया जा रहा है, जिसमें पुस्तकें, आईटी उपकरण और फर्नीचर शामिल हैं। ये लाइब्रेरी ग्राम पंचायत सचिवालयों में स्थापित की जा रही हैं। इन पुस्तकालयों से ग्रामीण छात्रों को आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी, जिससे डिजिटल समावेशन बढ़ेगा। छात्र अपने गांव में रहकर ही बेहतर तैयारी कर पाएंगे। इसके अतिरिक्त, जनपद कुशीनगर की 29 ग्राम पंचायतों में बड़े पुस्तकालय और 234 ग्राम पंचायतों में छोटे पुस्तकालय पहले से ही स्थापित किए जा चुके हैं। ये पुस्तकालय ग्रामीण क्षेत्रों में छात्र–छात्राओं को पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल और आवश्यक किताबें उपलब्ध करा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में एक अन्य महत्वपूर्ण पहल के तहत, जनपद कुशीनगर के 28 विद्यालयों में एस्ट्रोनॉमी लैब स्थापित की गई हैं। इन लैब का उद्देश्य ग्रामीण जनता में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति उत्सुकता पैदा करना है। लैब के माध्यम से बच्चों को गणित, विज्ञान और खगोलशास्त्र से संबंधित सिद्धांतों को प्रयोगात्मक विधि से समझाया जा रहा है, जिससे उन्हें विज्ञान की अधिक जानकारी आसानी से मिल रही है और वे पढ़ाई में रुचि ले रहे हैं। ये सभी पहल ग्रामीण युवाओं के लिए ज्ञान के केंद्र बन रही हैं, जिससे उन्हें बेहतर अवसर मिल रहे हैं और वे शहरों पर निर्भर नहीं रह रहे हैं। यह ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने और क्षेत्र का नाम रोशन करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। सरकार लड़कियों की शिक्षा और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दे रही है।

उपनिबंधक कार्यालय हटाने की सूचना पर अधिवक्ता नाराज

कुशीनगर, (संवाददाता)। तमकुहीराज तहसील परिसर के बगल में स्थित उपनिबंधक कार्यालय को तहसील मुख्यालय से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थानांतरित करने की सूचना से अधिवक्ता समुदाय में भारी आक्रोश है। इस मुद्दे पर शुक्रवार को बार संघ अध्यक्ष विनोद सिंह पटेल के नेतृत्व में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार महेश कुमार से मुलाकात कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। अधिवक्ताओं का कहना है कि उपनिबंधक कार्यालय का तहसील परिसर के समीप होना आम जनता, वादकारियों और अधिवक्ताओं सभी के लिए सुविधाजनक है। यदि कार्यालय को दूर स्थानांतरित किया जाता है, तो इससे न केवल न्यायिक कार्य प्रभावित होगा, बल्कि आम लोगों को भी अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मुलाकात के दौरान तहसीलदार महेश कुमार ने अधिवक्ताओं के साथ तहसील परिसर में स्थित खाली भूमि का निरीक्षण किया। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट रूप से मांग की कि उपनिबंधक कार्यालय का निर्माण तहसील परिसर में ही किया जाए, ताकि प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों में सुगमता बनी रहे। इस दौरान अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि उपनिबंधक कार्यालय को तहसील परिसर से बाहर ले जाया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। अधिवक्ता अमरनाथ सिंह ने भी आंदोलन को व्यापक रूप देने की चेतावनी दी। वहीं, मंत्री अजय राय द्वारा आत्मदाह की धमकी दिए जाने की बात सामने आने से मामला और गंभीर हो गया है। अधिवक्ताओं ने प्रशासन से तत्काल इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। उनका कहना है कि जनहित और न्यायहित को ध्यान में रखते हुए उपनिबंधक कार्यालय को तहसील परिसर में ही बनाए रखा जाए, अन्यथा संघर्ष और तेज किया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक पांडेय, दीपक पांडेय, मार्कण्डेय वर्मा, रकीब आलम, मुनीर आलम सहित काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

दस दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी शुरू,नगरपालिका अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

कुशीनगर, (संवाददाता)। बुद्ध स्थली स्थित बिरला धर्मशाला परिसर में दस दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी एवं बिक्री केंद्र का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन गुरुवार को नगरपालिका परिषद कुशीनगर की अध्यक्ष श्रीमती किरन जायसवाल ने फीता काटकर किया।

यह प्रदर्शनी कुशीनगर क्रोशिया हैंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा आयोजित की गई है। मुख्य अतिथि श्रीमती जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि यह मंच स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्प उत्पादकों को अपनी कला को पहचान दिलाने और आर्थिक रूप से सशक्त होने में मदद करेगा। उन्होंने सरकार द्वारा ऐसे मंचों के महत्व पर जोर दिया। श्रीमती जायसवाल ने क्रोचेट, एम्ब्रॉयडरी, टेराकोटा, ज्वेलरी और मूंज क्राफ्ट जैसे विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक समय में उत्सवों में इन सामानों की भारी मांग थी, लेकिन आधुनिकता के कारण ये कलाएं विलुप्त होती जा रही हैं, जिनके संरक्षण की आवश्यकता है। प्रदर्शनी में हैंगिंग, झूमर, बेडशीट, टेडी वियर, सूट, श्रग, गेट, क्रोशिया ज्वेलरी, पर्दा, क्रोशिया डाल, क्रोशिया थाल पोश और जूट क्राफ्ट सहित हस्तशिल्प के 20 स्टॉल लगाए गए हैं। यह प्रदर्शनी 8 जनवरी से 17 जनवरी तक चलेगी। कंपनी के निदेशक देश दीपक दूबे ने अतिथियों का सम्मान किया और आयोजन का उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य स्थानीय कारीगरों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और उन्हें बाजार उपलब्ध कराना है। आम जनता के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है ताकि अधिक से अधिक लोग हस्तशिल्प कला से परिचित हो सकें। उन्होंने लोगों से प्रदर्शनी में आकर कारीगरों का उत्साहवर्धन करने और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती जायसवाल के साथ प्रमुख समाजसेवी पं. अजय शुक्ला, शमसुल, छोटू नागमणि, विपीन शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला, ग्राम प्रधान शमशुल हक, नागमणि त्रिपाठी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव और दिनेश तिवारी भोजपुरिया सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में विपिन शुक्ला, इब्राहिम, सुरेश, प्रह्लाद, सुनीता मौर्या, बबीता, पूनम, अंतिमा भारती, अर्चना और फूलमती भी उपस्थित रहीं।

'कार्यकारी संपादक
अरुण कुमार शुक्ल
मो०नं०–9794327108
'प्रबंध संपादक
अनिल तिवारी
मो०नं०–7052516421
'सह संस्थापक
भरत लाल श्रीवास्तव
मो० नं०–7897563337
समाचार संपादक
अरविंद शर्मा
मो ०नं०–8931076631
विज्ञापन व्यवथापक
हरिहर यादव
मो०नं०–9453366874

डिटेक्टिव मीडिया
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक प्रभाकर शुक्ला दघीचि द्वारा सिद्व भूमि मेल प्रेस पडरौना कुशीनगर से मुद्रित कराकर किशनपुर, विजयपुर पोस्ट खैरी (खड्डा) जनपद कुशीनगर से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक
प्रभाकर शुक्ल
मो0–9454047320,
6393406916